कोयल

सरल हिन्दी पाठमाला 7

शिक्षक–दर्शिका

ओरियंट ब्लैकस्वॉन

All rights reserved. No part of this book may be modified, reproduced or utilised in any form, or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, recording or by any information storage and retrieval system, in any form of binding or cover other than in which it is published, without permission in writing from the publisher.

कोयल सरल हिन्दी शिक्षक-दर्शिका 7 (पाठमाला 7 के लिए)

ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड
मुख्य कार्यालय
3-6-752 हिमायतनगर, हैदराबाद 500 029 (तेलंगाना), भारत
ई-मेल: centraloffice@orientblackswan.com

शाखाएँ
बंग्लुरु, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, मुम्बई,
नई दिल्ली, नोएडा, पटना, विशाखापट्टनम

© ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड, 2023
प्रथम संस्करण, 2023

OBBN 978-0-30106-645-5

टाइपसेटर
सुरेश कुमार शर्मा, दिल्ली

मुद्रक

प्रकाशक
ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड
3-6-752 हिमायतनगर,
हैदराबाद 500 029 (तेलंगाना)
ई-मेल : info@orientblackswan.com

पाठ-सूची

शिक्षक बंधुओं से ... *v*

1. **नमन** (कविता) *द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी* 1
2. **लालची किसान** (कहानी) 5
3. **नया राजा** (कहानी) 10
4. **नववर्ष : विविधता में एकता** (गद्य पाठ) 15
5. **चल अकेला, रे!** (कविता) *रवींद्रनाथ ठाकुर* 20
6. **पृथ्वीराज चौहान** (ऐतिहासिक कहानी) 25
7. **ईदगाह** (कहानी) *मुंशी प्रेमचंद* 30
8. **वायु प्रदूषण** (गद्य पाठ) 36
9. **मेरा नया बचपन** (कविता) *सुभद्रा कुमारी चौहान* 41
10. **मुन्नार की सैर** (पत्र) 46
11. **दोस्ती हो तो ऐसी!** (कहानी) 51
12. **सब्ज़ी मंडी** (संवादात्मक पाठ) 57
13. **महक की डायरी से** (डायरी) 62
14. **कर्मवीर** (कविता) *अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'* 67

शिक्षक बंधुओं से ...

हिन्दी भारत की एक प्रमुख भाषा है। यह प्रांतीय भाषा ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण देश में बोली जाने वाली 'सार्वजनिक' भाषा है। यह देश के कुछ स्कूलों में प्रथम भाषा के रूप में तो कुछ स्कूलों में द्वितीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। देश के कुछ स्कूल ऐसे भी हैं, जहाँ यह तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। **'कोयल' सरल हिन्दी पाठ्यपुस्तक माला** की रचना अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर की गई है। इन क्षेत्रों में इस पाठ्यपुस्तक माला के माध्यम से हिन्दी द्वितीय अथवा तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी। यह पाठ्यपुस्तक माला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसलिए इन शिक्षक दर्शिकाओं का निर्माण हिन्दी शिक्षण की उन कठिनाइयों को ध्यान में रखकर किया गया है, जिनका सामना अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के शिक्षक करते हैं।

'कोयल' सरल हिन्दी पाठ्यपुस्तक माला

'कोयल' NEP के अनुरूप सरल हिन्दी पाठमाला अहिन्दी भाषी क्षेत्रों तथा द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए है। यह पुस्तकमाला सम्प्रेषणमूलक शिक्षण प्रविधि (Communicative Teaching Method) एवं योग्यता-आधारित शिक्षा के सिद्धांतों (Principles of Competency Based Education) को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy) 2020 और एनसीईआरटी (NCERT) के दिशा-निर्देशों का पालन करती है। यह सीरीज़ **नर्सरी** से लेकर **कक्षा 8** तक के विद्यार्थियों के लिए है।

भाषा शिक्षण के चारों कौशलों – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना – को इस पाठ्यपुस्तक माला में स्थान दिया गया। है। इन कौशलों के माध्यम से किस प्रकार विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास करना है, यह इन शिक्षक दर्शिकाओं के माध्यम से बताया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (National Education Policy 2020)

'कोयल' सरल हिन्दी पाठमाला में शिक्षा के चारों कौशलों – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना (Listening, Speaking, Reading & Writing) – के माध्यम से शिक्षण दिया गया है। ये पुस्तकें नवीनतम शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के निम्नलिखित मापदण्डों पर आधारित है:-

- डिजिटल (QR कोड, ऑडियो एवं वीडियो)
- अतिरिक्त पठन

- भारतीय विरासत
- पास-परिवेश
- चिंतन (Critical Thinking)
- समस्या समाधान (Problem Solving)
- रचनात्मक कार्य (Art Integration)
- जीवन मूल्य (Values)
- जीवन कौशल (Life Skills)

इनके माध्यम से शिक्षण किस प्रकार करना है, यह प्रत्येक प्रवेशिका एवं पाठमाला की पाठ-सूची के अनुसार दी गई **पाठ योजना** के अंतर्गत बताया गया है।

'कोयल' हिंदी प्रवेशिकाएँ (नर्सरी, LKG एवं UKG के लिए)

- इस पाठ्यपुस्तक माला में **तीन प्रवेशिकाएँ क्रमशः नर्सरी, LKG एवं UKG** के लिए हैं।
- इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य **विद्यार्थियों को स्वर एवं व्यंजन का ज्ञान, बिना मात्रा वाले दो, तीन तथा चार अक्षरों से बने शब्दों व वाक्यों को बोलना, पढ़ना एवं लिखना सिखाना है।**
- ये शिक्षण **पुस्तकों के माध्यम से** तो है ही, साथ ही **डिजिटल के माध्यम से** भी दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों में सुनकर बोलने की कुशलता का विकास हो सके।
- अक्षरों, शब्दों, वाक्यों तथा कविताओं का **ऑडियो** दिया गया है। पाठों का ऑडियो शिक्षण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।
- **ऑडियो का प्रयोग** शिक्षण में किस प्रकार करना है, यह प्रत्येक पाठ-योजना में बताया गया है।
- ऑडियो के साथ-साथ **फ़्लैश कार्ड** भी दिए गए हैं। ये **फ़्लैश कार्ड** शिक्षण को रोचक, मनोरंजक और सहायक बनाएँगे।
- **फ़्लैश कार्ड** के खेल खेलते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि व्हाइट बोर्ड पर जब चित्र और उसके नाम का पहला अक्षर या उसका नाम आएगा तब **"बिंगो" बोलना** है।

'कोयल' हिन्दी पाठमाला 1 एवं 2 (कक्षा 1 एवं कक्षा 2 के लिए)

- **पाठमाला 1 में स्वर** तथा **पाठमाला 2 में व्यंजन पढ़ाए और सिखाए गए हैं।**
- प्रवेशिकाओं की भाँति ही, इनमें भी डिजिटल के माध्यम से शिक्षण दिया गया है।
- स्वरों की मात्राओं से बने शब्दों तथा वाक्यों एवं कविताओं का ऑडियो दिया गया है।
- इन पुस्तकों में भी पाठों का ऑडियो शिक्षण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।
- ऑडियो का प्रयोग शिक्षण में किस प्रकार करना है, यह संबंधित शिक्षक दर्शिका में दी गई प्रत्येक पाठ योजना में बताया गया है।

- प्रवेशिकाओं की भाँति इन कक्षाओं के लिए भी **फ़्लैश कार्ड** दिए गए हैं जिनका प्रयोग पूर्व कक्षाओं की भाँति ही करना है।

'कोयल' हिन्दी पाठमाला 3 से 8 (कक्षा 3 से 8 के लिए)

- कक्षा 3 से 8 में शिक्षण हेतु गद्य, पद्य, कहानी एवं संवाद विधा से संबंधित पाठ दिए गए हैं।
- ये पाठ एवं इनके अभ्यास तथा व्याकरण अहिन्दी भाषी विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं।
- इन पुस्तकों में भी **डिजिटल** के माध्यम से शिक्षण दिया गया है।
- **अभ्यासों** में मौखिक प्रश्न, बहुविकल्पी प्रश्न, लिखित प्रश्न, रिक्त स्थान, मिलान करना, किसने कहा? किससे कहा?, पाठ से संबंधित सही-गलत बात बताना, स्तर के अनुसार व्यावहारिक व्याकरण, चिंतन एवं समस्या समाधान, रचनात्मक कार्य, जीवन मूल्य तथा जीवन कौशल से संबंधित प्रश्नों एवं गतिविधियों का समावेश किया गया है।

डिजिटल सामग्री (नर्सरी से पाठमाला 8 के लिए)

नर्सरी से कक्षा 8 तक प्रत्येक प्रवेशिका एवं पाठमाला से संबंधित डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराई गई है। इस सामग्री में **फ़्लैश कार्ड**, **ऑडियो** (अतिरिक्त पठन एवं शब्दावली हेतु), **QR Code (केवल कविताओं में)**, **पाठों का ऑडियो**, **पाठों का ऐनिमेशन**, **शब्दार्थों का ऐनिमेशन** तथा **ऑडियो पर आधारित प्रश्नों का समावेश** किया गया है। इनके प्रयोग के माध्यम से शिक्षण किस प्रकार करना है, यह पाठ योजना के अंतर्गत बताया गया है। शिक्षकों की सुविधा के लिए नीचे संक्षेप में इनका उद्देश्य बताया जा रहा है–

फ़्लैश कार्ड : इनका उद्देश्य अक्षर एवं शब्दों की पहचान करवाना है।

QR कोड : इनका उद्देश्य कविताओं को सुनकर समझना और कंठस्थ करना है।

पाठों का ऑडियो : इनका उद्देश्य पाठों को सुनकर कहानी और भाषा को समझना व सीखना है।

पाठों का ऐनिमेशन : इनका उद्देश्य पाठ की कहानी को रोचक ढंग से प्रस्तुत करके विषय के प्रति विद्यार्थियों की रुचि जाग्रत करना है।

शब्दार्थों का ऐनिमेशन : इनका उद्देश्य है कि विद्यार्थी शब्दों का अर्थ और भाव भली भाँति समझ जाए।

ऑडियो पर आधारित प्रश्न : इनका उद्देश्य यह जानना है कि विद्यार्थी ने पाठ को कितना समझा है। इससे प्रश्न को सुनकर उसका उत्तर देने पर उनकी हिन्दी बोलने की कुशलता बढ़ेगी।

'कोयल' हिन्दी अभ्यास पुस्तिका नर्सरी से 8 (नर्सरी से कक्षा 8 के लिए)

अभ्यास पुस्तिकाएँ केवल सुलेख हेतु नहीं हैं। इनमें दी गई गतिविधियाँ तत्संबंधी पाठमाला में दिए गए अभ्यासों और दी गई गतिविधियों का विस्तार है।

- ये गतिविधियाँ भी नवीन शिक्षा नीति 2020 के सभी मानकों पर खरी उतरती हैं।
- विद्यार्थी इनके द्वारा लेखन का अभ्यास तो करेंगे ही, साथ-ही-साथ उनकी हिन्दी भाषा पर पकड़ भी मज़बूत होगी।
- इन अभ्यास पुस्तिकाओं में पाठ बोध (प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थान, बहुविकल्पी प्रश्न) के साथ-साथ व्याकरण बोध और रचनात्मक कार्य भी दिया गया है।

'कोयल' हिन्दी शिक्षक दर्शिकाएँ (नर्सरी से 8)

ये शिक्षक दर्शिकाएँ नवीन शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षण किस प्रकार दिया जाए, उस आधार पर तो तैयार की ही गई हैं, साथ ही इनको तैयार करते समय अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की हिन्दी पठन एवं पाठन में होने वाली असुविधाओं को भी ध्यान में रखा गया है। इसके लिए इन शिक्षक दर्शिकाओं में–

- सबसे पहले **पाठ उपलब्धियाँ** दी गई हैं।
- इसके बाद **पाठों का सारांश** दिया गया है।
- तदनन्तर **पाठवार पाठ-योजना** दी गई है।
- पाठ्यपुस्तक एवं अभ्यास पुस्तिका में दिए गए अभ्यास-प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं।

कुल 9 शिक्षक दर्शिकाएँ हैं। जिनमें नर्सरी, LKG और UKG प्रवेशिकाओं के लिए एक संयुक्त दर्शिका एवं प्रत्येक पाठ्यपुस्तक के लिए अलग-अलग 8 दर्शिकाएँ हैं।

विद्यार्थियों का परीक्षण/मूल्यांकन कैसे करें

- 'मौखिक मूल्यांकन' शब्दों के शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तरों के शुद्ध उच्चारण के साथ-साथ उत्तर की सटीकता के आधार पर करें।
- इसी प्रकार 'लिखित मूल्यांकन' भी भाषा की शुद्धता और पाठ के आधार पर तथ्यों की सटीकता के माध्यम से करें।
- 'सोचिए और बताइए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थियों से निकलवाएँ और उनके उत्तरों की सटीकता का उनकी बौद्धिक क्षमता के आधार पर मूल्यांकन करें।
- 'रचनात्मक कार्य' के अंतर्गत दी गई गतिविधियों का मूल्यांकन लिखित, मौखिक, बौद्धिक क्षमता, पाठ का संदेश एवं रचनात्मकता की दृष्टि से किया जाए।

आशा है, ये दर्शिकाएँ, हिन्दी शिक्षण में अत्यन्त सहायक होंगी। सुझावों का स्वागत है।

पाठ 1 : नमन

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति प्रेम • प्रकृति संरक्षण • त्याग • लोक कल्याण की भावना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, कविता की अगली पंक्ति लिखना, आशय स्पष्ट करना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, शब्दों का वाक्यों में प्रयोग, समानार्थी शब्द, क्रिया
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, आशय, अनुमान, कल्पना
रचनात्मक कार्य Art Integration	कविता-गायन, भारत में बहने वाली प्रमुख नदियों के नाम बताना, अनुच्छेद लेखन, मानचित्र कार्य
जीवन मूल्य Values	लोक कल्याण की भावना का विकास
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

यह कविता प्रकृति पर आधारित है। इसमें प्रकृति को उसके द्वारा किए गए मानव कल्याण के लिए धन्यवाद दिया गया है। सूर्य दिन में और चंद्रमा रात में प्रकाश देता है। इसके लिए कवि दोनों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें प्रणाम कर रहा है। पृथ्वी सदा हमें अपनी गोद

में बिठाए रखती है और अन्न उत्पन्न करके हमारा पालन करती है। इसके लिए आभार व्यक्त करके कवि पृथ्वी को प्रणाम कर रहा है। इसी प्रकार जल जो, हमारी प्यास बुझाता है और वृक्ष, जो हमें प्राण-वायु एवं फल-फूल देते हैं, को भी कवि प्रणाम कर रहा है। कवि कह रहा है कि हम प्रकृति से बहुत प्यार करते हैं और मानवता पर किए गए प्रकृति के इन उपकारों का ऋण हम अवश्य चुकाएँगे।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. इस कविता में प्रकृति द्वारा किए गए उपकारों की बात कही गई है। विद्यार्थियों को इस बात का अर्थ समझाएँ कि किस प्रकार प्रकृति जीवन में हर समय हमारा उपकार करती रहती है। उन्हें कुछ उदाहरण भी दें, जैसे – सूर्य का प्रकाश, जल, वायु आदि, किस प्रकार मानव के जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं।
2. साथ ही कविता में प्रकृति का ऋण उतारने की बात आई है। विद्यार्थियों को बताएँ कि हम प्रकृति का ऋण किस प्रकार उतार सकते हैं। प्रकृति की रक्षा करना और इसके महत्त्व को सदा याद रख कर ही हम ऐसा कर पाएँगे। इस विषय पर विद्यार्थियों के विचार भी जानें। उनसे इस विषय में बातचीत करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **कविता-पाठ** करें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अब बताएँ कि यदि हम प्रकृति की रक्षा नहीं करेंगे तो हमारी ही हानि होगी। तरह-तरह की बीमारियाँ फैल सकती हैं। प्राकृतिक असंतुलन से तापमान में निरंतर वृद्धि हो रही है। हम अपने अथक प्रयासों से ही इसे रोक सकते हैं। वे प्रयास कौन-कौन से हो सकते हैं, इसपर विद्यार्थियों से बातचीत करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. पुस्तक में कविता से संबंधित जो चित्र दिया गया है, आप उससे संबंधित प्रश्न भी विद्यार्थियों से पूछ सकते हैं। जैसे – इस चित्र में क्या-क्या हो रहा है? यह चित्र कविता के बारे में क्या बता रहा है?
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **बच्चे क्या प्रण कर रहे हैं?**
     - ☐ **प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग न करने का**

- ☐ **प्रकृति की रक्षा करके उसका ऋण चुकाने का**
- ☐ **प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग करने का**

10. श्यामपट्ट पर **उजाला**, **नित्य**, आदि शब्द लिख कर पहले उनका मौखिक ही वाक्य-प्रयोग करवा लें। इसके बाद कॉपी में वाक्य प्रयोग करने को कहें।
11. अब श्यामपट्ट पर **समानार्थी शब्द** लिख कर विद्यार्थियों से उनका उच्चारण करवाएँ। इसी प्रकार 'लगाना' तथा 'पीना' आदि क्रियाओं का निर्देशानुसार परिवर्तन करवाएँ।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि भारत सदा से ही प्रकृति को महत्त्व किस प्रकार देता आया है? भारत के घर-घर में किस प्रकार प्रकृति का वास है, आदि।
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह-कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी।
   (ख) कविता के माध्यम से कवि ने प्रकृति का महत्त्व समझाकर उसकी रक्षा करने की बात कही है।
   (ग) बच्चे प्रकृति की रक्षा करके उसके द्वारा किए गए उपकारों का ऋण चुकाने का प्रण कर रहे हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ प्रकृति के बारे में (ख) ☑ पेड़-पौधे (ग) ☑ प्रकृति का

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) जो नित्य सुबह आकर हमें उजाला देता है, उस सूर्य को मैं प्रणाम करता हूँ।
   (ख) जो नित्य रात को आकर हमें उजाला देता है, उस चंद्रमा को मैं प्रणाम करता हूँ।
   (ग) इस पंक्ति में कवि ने कहा है कि वृक्ष हमें साँस लेने के लिए अथवा जीने के लिए प्राण-वायु ऑक्सीजन देते हैं।
3. दी गई कविता की पंक्तियों को पूरा करवाएँ।
4. कविता की इन पंक्तियों में बच्चे कह रहे हैं कि हम प्रकृति से बहुत प्यार करते हैं और मानवता पर किए गए प्रकृति के इन उपकारों का ऋण अवश्य चुकाएँगे।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
2.

शशि	=	चंद्रमा	जल	=	पानी
रात	=	रात्रि	वायु	=	हवा

3.

आना	–	आएँगे	करना	–	करवाएँगे
लगाना	–	लगाएँगे	खिलाना	–	खिलाएँगे
पीना	–	पिलाएँगे	चुकाना	–	चुकाएँगे

सोचिए और बताइए Think & Tell

इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) ☑ सूरज (ख) ☑ अन्न (ग) ☑ पृथ्वी को

2. (क) इस कविता का संदेश है कि हमें प्रकृति के महत्त्व को समझकर उसकी रक्षा करनी चाहिए।

(ख) उजाला, सवेरा, रात, रवि, शशि, अन्न, जल, फल, छाया, प्राण-वायु।

3.

प्रकाश	=	उजाला	प्रेम	=	प्यार
सुबह	=	सवेरे	उधार	=	ऋण
चाँद	=	शशि	पवित्र	=	पावन
हवा	=	वायु	वचन	=	प्रण

4. दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. (क) ये पंक्तियाँ बादलों से निकली हुई एक बूँद के बारे में है।

(ख) बूँद द्वारा कहा गया 'आह' शब्द चिंता और असमंजस के भाव को व्यक्त करता है।

(ग) बूँद अपने भविष्य के लिए चिंतित है क्योंकि उसे नहीं पता है कि वह धूल में मिलेगी या किसी अंगारे पर गिरकर जल जाएगी।

(घ) शीर्षक – एक बूँद।

पाठ 2 : लालची किसान

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• मेहनत का महत्त्व समझना • लालच न करना • बुद्धि से काम लेना • मन को एकाग्र रखना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, कथन बताना

भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विलोम शब्द, निपात का प्रयोग, वाक्य रचना, शुद्ध-अशुद्ध शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	परिणाम, समस्या समाधान, कार्य-कारण संबंध, शीर्षक बताना
रचनात्मक कार्य Art Integration	अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना, इंटरनेट का उपयोग, स्क्रेप बुक पर चित्र चिपकाना, अनुच्छेद लेखन
जीवन मूल्य Values	लालच न करना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह कहानी एक ऐसे किसान की है, जो बिना मेहनत किए ही धनवान बनना चाहता था। उसका नाम हीरा था। उसके पास एक छोटा-सा खेत था। पर खेत में वह मन लगाकर काम नहीं करता था। इसलिए फसल भी अच्छी नहीं होती थी। धीरे-धीरे वह निर्धन होता गया। अपनी निर्धनता के लिए वह ईश्वर को कोसता। निर्धनता के कारण उसका किसी काम में मन नहीं लगता था। एक दिन शाम को खेतों से वापस घर लौटते समय उसकी नज़र जमींदार की हवेली पर पड़ी। वह ईश्वर से प्रार्थना करने लगा कि - काश! कोई ऐसा चमत्कार हो जाए कि मैं भी इसी प्रकार राजाओं की तरह रहूँ! वह यह सोच ही रहा था कि ईश्वर प्रकट हो गए और बोले – तुम अपनी निर्धनता के लिए सदा मुझे दोष देते हो। आज मैं तुम्हारे सामने हूँ। माँग लो, जो माँगना है। किसान बोला – हे प्रभु, मुझे बहुत सारा धन दे दो। मुझे धनवान बना दो। ईश्वर बोले – ठीक है, कल इसी समय थैला लेकर आ जाना। मैं तुम्हें बहुत सारा धन दूँगा। अगले दिन किसान थैला लेकर आ गया। ईश्वर बोले – मैं थैले में सोने के सिक्के डालूँगा। जितने सिक्के थैले में आ जाएँगे, वे तुम्हारे होंगे और जो धरती पर गिर जाएँगे, वे धूल बन जाएँगे। यह कहकर ईश्वर ने थैले में सोने के सिक्के डालकर थैला भर दिया और बोले – जाओ, अब तुम अच्छा जीवन बिताओ। थैले में थोड़ी-सी जगह बची हुई थी। किसान बोला – प्रभु, थोड़े-से सिक्के और डाल दो। ईश्वर ने कुछ सिक्के और डाल दिए। किसान माँगता गया, ईश्वर डालते गए। इस कारण थैले में सिक्कों का भार इतना ज़्यादा हो गया कि हीरा थैले का भार सँभाल नहीं पाया। उसके हाथ से थैला छूट गया और धरती पर गिरते ही सिक्के धूल में बदल गए। यह

देखकर किसान रोने लगा। ईश्वर उसे समझाते हुए बोले – लालच ने आज तुमसे धनवान बनने का अवसर छीन लिया। अब तुम मेहनत से काम करो। हीरा को उनकी बात समझ में आ गई। उसने अपनी पत्नी से कहा – अब से मैं कभी आलस नहीं करूँगा और खूब मेहनत करूँगा। यह सुनकर उसकी पत्नी बहुत प्रसन्न हुई।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. इस कहानी में किसान और खेती की बात आई है। विद्यार्थियों से पूछें कि किसान अपने खेतों में कौन-कौनसी फसलें उगाते हैं। ध्यान दें कि वे उन फसलों के नाम हिन्दी में ही बताएँ।
2. कहानी पढ़कर समझ आता है कि किसान बहुत ही आलसी स्वभाव का था पर उसकी पत्नी का स्वभाव ऐसा नहीं था। पूछें, यदि किसान अपनी पत्नी की बात मान लेता तो क्या उसकी निर्धनता दूर हो सकती थी? क्या इस प्रकार का आलसी स्वभाव होना अच्छी बात है? क्या बिना मेहनत किए धनवान बना जा सकता है? इस तरह के प्रश्न पूछें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप पाठ पढ़ें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अब मेहनत का महत्त्व समझाएँ। बताएँ कि मेहनत करने से बड़े-से-बड़े संकट को दूर किया जा सकता है। मेहनत ही हर सफलता का रहस्य है।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **किसान की पत्नी उसे क्या करने के लिए कहती थी?**

     ☐ **आराम** ☐ **घर का काम** ☐ **मेहनत**
10. श्यामपट्ट पर **विलोम शब्द** लिखकर विद्यार्थियों को कंठस्थ करवाएँ।
11. श्यामपट्ट पर **वाक्य** लिखकर विद्यार्थियों को समझाएँ कि **वाक्य परिवर्तन** किस प्रकार करना है। इसी प्रकार शुद्ध-अशुद्ध शब्द श्यामपट्ट पर लिखकर समझाएँ।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि यदि किसान का थैला नहीं फटता तो क्या होता? किसान के जीवन में क्या परिवर्तन आता? क्या तब किसान को मेहनत का महत्त्व समझ में आता?

13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह-कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) हीरा आलसी आदमी था।
   (ख) हीरा अपनी बुरी दशा के लिए ईश्वर को दोष देता था।
   (ग) ज़मींदार की हवेली देखकर हीरा ने सोचा कि वह भी इसी प्रकार राजाओं की तरह रहे।
   (घ) थैला धरती पर गिर कर फट गया और सारे सिक्के धूल में मिल गए। इस कारण हीरा रोने लगा।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ मेहनती (ख) ☑ धनवान (ग) ☑ फटी हुई चादर से
(घ) ☑ सोने के सिक्के

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) हीरा दिन-रात धनवान बनने के बारे में सोचता रहता था।
   (ख) हीरा की पत्नी उसे समझाती थी कि यदि वह खेतों में मन लगाकर काम करेगा तो उनकी निर्धनता दूर हो जाएगी।

(ग) ईश्वर ने प्रकट होकर हीरा से कहा कि तुम अपनी निर्धनता के लिए हमेशा मुझे दोष देते हो। आज मैं तुम्हारे सामने खड़ा हूँ। माँगो, क्या माँगना चाहते हो।

(घ) हीरा को अपने लालच के कारण सिक्के नहीं मिल पाए।

(ङ) ईश्वर ने हीरा को समझाया कि अब तुम मेहनत से काम करो। मैं तुम्हें आशीर्वाद देता हूँ, एक दिन तुम अवश्य धनवान बनोगे।

3. किसान की पत्नी ने – किसान से
ईश्वर ने – किसान से
किसान ने – अपनी पत्नी से

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. नई x पुरानी | शहर x गाँव | निर्धन x धनवान
सुखी x दुखी | आसमान x धरती | अप्रसन्न x प्रसन्न

2. (क) (iii) तुमने मुझे **ही** क्यों चुना?
(ख) (iii) वज़न इतना कम कर दो **कि** मैं उठा सकूँ।
(ग) (iii) उसका पिता **भी** बहुत मेहनती था।
(घ) (iii) वह **भी** तुम्हारी तरह बहुत मेहनत करता है।

3. प्रकट, बेचैन, चमत्कार, मेहनत।

सोचिए और बताइए Think & Tell

दिए गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Life Values

विद्यार्थी स्वयं उत्तर देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) ☑ राजाओं जैसा (ख) ☑ खुशी के कारण (ग) ☑ धनवान बनने का।
2. (क) हीरा दिन-रात बिना मेहनत किए ही धनवान बनने के सपने देखता रहता और कोई काम नहीं करता था। इस कारण वह निर्धन होता गया।

(ख) हीरा बिना मेहनत किए ही धनवान बनना चाहता था।

(ग) निर्धनता के कारण हीरा चिड़चिड़ा हो गया था और अपनी पत्नी से झगड़ता रहता था। इस कारण उसकी पत्नी दुखी रहती थी।

(घ) हीरा ने हाथ जोड़कर ईश्वर से प्रार्थना की कि वे उसे धनवान बना दें।

(ङ) सिक्कों से ऊपर तक भर जाने के कारण थैले का भार बढ़ गया था। इस कारण हीरा थैला नहीं सँभाल पाया।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. सिक्के, हवेलियाँ, फसलें, थैले, कहानियाँ।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 3 : नया राजा

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• पितृ प्रेम • भ्रातृ प्रेम • परोपकार • गुणों का आदर करना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, किसने कहा? किससे कहा?
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, संज्ञा एवं संज्ञा के भेद, विशेषण, प्रश्नवाचक वाक्य
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	चरित्र-चित्रण, कारण, परिणाम, कार्य-कारण संबंध, समस्या समाधान, शीर्षक

रचनात्मक कार्य Art Integration	प्रिय पशु/पक्षी के विषय में कक्षा में बताना एवं उनके चित्र चिपकाकर वाक्य लिखना, कहानी का नया शीर्षक बताना
जीवन मूल्य Values	सद्‌गुणों का महत्त्व एवं उनका जीवन में उपयोग
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह चार भाइयों की कहानी है, जो एक-दूसरे से बहुत प्रेम करते थे और मिल-जुलकर रहते थे। चारों बहुत ही बुद्‌धिमान और बहादुर थे। इस कारण राजा निर्णय नहीं ले पा रहा था कि किसे युवराज बनाया जाए। एक दिन राजा ने अपने चारों बेटों को बुलाकर पूछा कि उन्हें कौन-सा पशु या पक्षी सबसे ज़्यादा अच्छा लगता है। सबसे बड़े राजकुमार विक्रम ने कहा कि उसे शेर अच्छा लगता है। दूसरे राजकुमार विजय ने कहा कि उसे मधुमक्खी अच्छी लगती है, क्योंकि वह बहुत मेहनत करती है। तीसरे राजकुमार विक्रांत ने कहा कि उसे बाज पक्षी पसंद है। सबसे छोटे राजकुमार प्रशांत ने कहा कि गाय सबसे अच्छी होती है। वह अपने दूध से सबका पालन करती है। इसके बाद राजा ने अपने मंत्रियों से सलाह की। चारों राजकुमारों के उत्तरों के आधार पर यह निर्णय लिया गया कि सबसे छोटे राजकुमार प्रशांत को ही युवराज बनाया जाए। जब यह बात प्रशांत को पता लगी तो उसने राजा से कहा कि बड़े भाइयों के होते हुए वह राजा बने, यह उचित नहीं होगा। किंतु बड़े भाइयों को इसमें कोई आपत्ति नहीं थी। अंत में यह निर्णय लिया गया कि चारों भाइयों को उनके गुणों के आधार पर राज्य का काम बाँट दिया जाए। शहद जमा करने वाली मधुमक्खी को पसंद करने वाले विजय को राज्य का कोशाध्यक्ष बनाया गया। फुर्तीले बाज को पसंद करने वाले विक्रांत को राज्य का सेनापति बनाया गया। शेर की बहादुरी को पसंद करने वाले राजकुमार विक्रम को पूरे राज्य की रक्षा का भार सौंपा गया और प्रशांत को प्रजा का पालन करने वाला राजा बनाया गया। इस निर्णय से सब खुश हुए। चारों भाई अपने-अपने गुणों के अनुसार राज्य की सेवा करने लगे।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ आपसी प्रेम और एकता पर आधारित है। विद्‌यार्थियों को एकता का महत्त्व समझाएँ। फिर पूछें कि मिल-जुलकर रहने के क्या लाभ हैं? इस संबंध में विद्‌यार्थियों के विचार भी जानें। यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें।

2. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
3. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
4. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
5. अब पूछें कि पाठ में चारों राजकुमार मिल-जुलकर और प्रेमपूर्वक रहते थे। यदि वे इस तरह न रहते तो राजा को किस समस्या का सामना करना पड़ता? तब उनमें से कौन युवराज बन सकता था?
6. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
7. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **चारों राजकुमार कैसे थे?**

     ☐ **बुद्धिमान और बहादुर** ☐ **मूर्ख और डरपोक** ☐ **कमज़ोर और पतले**
9. अब श्यामपट्ट पर **संज्ञा के उदाहरण** देकर संज्ञा के विषय में समझाएँ। फिर परिभाषा बताते हुए सभी भेदों को स्पष्ट करें। उन्हें बताएँ कि **प्रश्नवाचक वाक्य** कैसे बनाने हैं। फिर श्यामपट्ट पर लिखकर विशेषण के बारे में समझाएँ। दिए गए शब्दों का पहले मौखिक रूप से ही वाक्य में प्रयोग करवा दें। फिर **कॉपी में लिखने के लिए** दें।
10. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि राजा ने प्रश्न पूछ कर राजकुमारों के स्वभाव के विषय में जाना। क्या किसी और ढंग से भी उनका स्वभाव जाना जा सकता था? इसमें प्रत्येक विद्यार्थी की भागीदारी सुनिश्चित करें।
11. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह-कार्य हेतु दे सकते हैं।
12. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
13. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
14. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
15. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) जो राजा इस बात का ध्यान रखता है कि उसके राज्य में कोई दुखी न रहे, ऐसा राजा अच्छा राजा होता है ।
   (ख) विक्रम को शेर इसलिए पसंद था क्योंकि वह जंगल का राजा होता है और बहुत शक्तिशाली भी होता है।
   (ग) विक्रांत को बाज़ इसलिए पसंद था क्योंकि वह बहुत फुरतीला होता है।
   (घ) राजा ने विक्रम को पूरे राज्य की रक्षा का काम दिया।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ यह तय करने के लिए कि किसे युवराज बनाया जाए।

(ख) ☑ बाज (ग) ☑ विजय को (घ) ☑ प्रशांत को

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का **श्रुतलेख** लिखवाएँ।
2. (क) राजा ने राजकुमारों से पूछा कि उन्हें कौन-सा पशु या पक्षी अच्छा लगता है।
   (ख) राजकुमार विजय ने मधुमक्खी के विषय में बताया कि - छोटी-सी मधुमक्खी कितनी मेहनत करके शहद बनाती है। शहद जैसी चीज़ तो हम भी नहीं बना सकते।
   (ग) प्रशांत ने राजा बनने की बात सुनकर कहा कि बड़े भाइयों के होते हुए वह राजा बने, यह उचित नहीं है।
   (घ) राजा ने विक्रांत को राज्य का सेनापति बना दिया।
3. (क) राजा ने – राजकुमारों से
   (ख) प्रशांत ने – राजा से
   (ग) प्रशांत ने – राजा से
   (घ) विक्रम ने – राजा से

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. विद्यार्थियों को श्यामपट्ट पर संज्ञा शब्दों और संज्ञा के भेदों के विषय में समझाएँ। यह प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करेंगे।

2. (ख) **कैसी** सज़ा देता था?
   (ग) राजकुमार **कैसे** थे?
   (घ) प्रशांत **कैसे** स्वाभाव का था?
3. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

सोचिए और बताइए Think & Tell
सभी प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills
निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs
1. (क) ☑ चार (ख) ☑ मधुमक्खी (ग) ☑ विक्रम को
2. पाठ का संदेश है कि हमें परिवार में और परिवार के बाहर भी मिलजुलकर प्रेमपूर्वक रहना चाहिए। एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। दूसरों के गुणों का आदर करना चाहिए।
3. (क) प्रशांत (ख) छोटा (ग) बड़ा भाई (घ) खुशी हुई (ङ) प्यार करता था।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar
4. (क) करता (ख) रखता (ग) देता (घ) करते (ड.) लगता (च) करते।
5. (i) पालन करती है। (ii) तय करना कठिन था। (iii) नहीं करता था। (iv) पालन करने वाला। (v) सेवा करने लगे।
6. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work
7. सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 4 : नववर्ष–विविधता में एकता

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• त्योहारों का महत्त्व • अनेकता में एकता • अलग राज्यों के त्योहारों का स्वरूप

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	गद्य लेख
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ–बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	'ता' प्रत्यय के प्रयोग से शब्द रचना, उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, क्रिया के रूप, एकवचन–बहुवचन
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, कार्य–कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	मनपसंद त्योहार के बारे में बताना, मनपसंद व्यंजन बनाने की विधि का वर्णन, वर्ग–पहेली, स्क्रेप बुक में नववर्ष से संबंधित त्योहारों के चित्र चिपकाना
जीवन मूल्य Values	मिल–जुलकर त्योहार मनाना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द–अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ भारत देश में नववर्ष किस–किस नाम से और कैसे मनाया जाता है, इसकी जानकारी दे रहा है। भारत में नववर्ष से संबंधित कई पर्व या त्योहार मनाए जाते हैं। उनके नाम अलग–अलग हैं पर भाव एक ही है। कहीं यह 'उगादी' के नाम से तो कहीं 'बिहू'

के नाम से मनाया जाता है, तो कहीं यह 'पोयला बैसाख' के नाम से जाना जाता है। 'उगादी' दक्षिण भारत का एक प्रमुख त्योहार है। इसे 'समवत्सरदी युगादि' के नाम से भी जानते हैं। यह कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में चैत्र माह के पहले दिन नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। यह हर साल मार्च या अप्रैल माह में आता है। यह बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन एक विशेष पेय बनाने की प्रथा है, जिसे 'पच्चड़ी' कहते हैं। 'गुड़ी पड़वा' पूरे भारत में मनाते हैं। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को 'गुड़ी पड़वा' या 'वर्ष प्रतिपदा' कहते हैं। इस दिन घर-घर में विजय के प्रतीक स्वरूप गुड़ी या झण्डा सजाते हैं। 'बिहू' का त्योहार असम में मनाया जाता है। यह त्योहार तीन बार आता है, जोकि तीन ऋतुओं का प्रतीक हैं। ये हैं – पहला 'बोहाग बिहू' या 'रंगोली बिहू', दूसरा 'काती बिहू' या 'कंगली बिहू' तथा तीसरा 'माघ बिहू'। 'पोयला बैसाख' बंगाली नववर्ष के रूप में जाना जाता है। यह बैसाख माह की प्रतिपदा को मनाया जाता है। 'बैसाखी' मुख्यत: पंजाबी समुदाय द्वारा मनाया जाने वाला त्योहार है। यह 14 अप्रैल को मनाया जाता है। इस अवसर पर मेले लगते हैं। इसी दिन गेहूँ की कटाई भी शुरू हो जाती है। 'नौरोज़' पारसी धर्म मनाने वाले लोगों का एक प्रमुख त्योहार है। यह नए वर्ष का त्योहार है। यह सामान्यत: 21 मार्च को होता है। इस दिन पारसी लोग एक-दूसरे का अभिवादन करते हैं और शुभकामनाएँ देते हैं। इस प्रकार हमारा देश विविधता में एकता समेटे हुए है।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ ऋतुओं एवं फसल संबंधित त्योहारों पर आधारित है। अत: विद्यार्थियों से विभिन्न ऋतुओं के विषय में बातें करें। पूछें कि इस समय कौन-सी ऋतु चल रही है? उनकी मनपसंद ऋतु कौन-सी है और क्यों? यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पढ़कर पाठ सुना दें। पाठ में जिन त्योहारों के नाम आए हैं, पूछें, क्या वे उनमें से कोई त्योहार मनाते हैं? यदि हाँ तो कैसे मनाते है? पूछें, इन त्योहारों के नाम अलग-अलग हैं पर भाव एक है, यह कैसे पता चलता है? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप पाठ पढ़ें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. विद्यार्थियों से अन्य प्रमुख त्योहारों के विषय में भी बातचीत करें। पूछें, कि वे उन त्योहारों को कैसे मनाते हैं?

7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **बंगाली नव वर्ष किस नाम से जाना जाता है?**
     ☐ **पोयला बैसाख** ☐ **बैसाखी** ☐ **बिहू**
10. श्यामपट्ट पर **प्रत्यय की परिभाषा** लिखकर प्रत्यय के बारे में समझाएँ कि ये किस प्रकार शब्द-निर्माण में सहायक होते हैं। इसके बाद दी गई गतिविधि करवाएँ।
11. इसी प्रकार **क्रिया एवं वचन संबंधित प्रश्न** करवाएँ। ये गतिविधियाँ गृहकार्य हेतु भी दे सकते हैं।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि त्योहार हमारे जीवन में किस प्रकार उत्साह और उल्लास लाते हैं।
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का उच्चारण करेंगे।
2. (क) भारत विविधताओं से भरा हुआ देश है।
   (ख) त्योहार हमारे जीवन में जोश और उल्लास भर देते हैं।

(ग) बिहू का त्योहार असम में मनाया जाता है।

(घ) पारसी धर्म को मानने वाले लोग 'नौरोज़' का त्योहार मनाते हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ दक्षिण भारत में (ख) ☑ बैसाख माह में

(ग) ☑ धान की (घ) ☑ पंजाबी समुदाय द्वारा

लिखित Writing

1. विद्यार्थी इन शब्दों को सुनकर लिखेंगे।
2. (क) उगादी का त्योहार दक्षिण भारत के कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में मनाया जाता है।

   (ख) गुड़ी पड़वा के दिन लोग घर-घर में विजय के प्रतीक स्वरूप गुड़ी या झंडा सजाते हैं। गुड़ी को नए वस्त्र और आभूषण पहनाकर सजाते हैं। लोग अपने-अपने घरों की सफ़ाई करते हैं। रंगोली एवं आम के या अशोक के पत्तों से घरों के मुख्य द्वार को सजाते हैं। गुड़ी और एक बरतन पर स्वास्तिक चिह्न बनाकर उसको रेशम के कपड़े से लपेटते हैं। सूर्य की पूजा करते हैं तथा पूरनपोली और श्रीखंड प्रसाद बनाते हैं।

   (ग) बिहू पर्व को 'बोहाग बिहू' या 'रंगोली बिहू', 'काती बिहू' या 'कंगली बिहू' तथा 'माघ बिहू' के नामों से जाना जाता है।

   (घ) 'विशु' के पर्व पर धान की बुआई का काम शुरू होता है। प्रातःकाल विशु कनी के शुभ दर्शन से पर्व का शुभारंभ होता है। पंचांग की पूजा करके उसे पढ़ा जाता है और नए वर्ष का भविष्यफल बताया जाता है।

   (ङ) 'बैसाखी' पंजाब और उत्तर भारत में धूमधाम से मनाया जाता है। लोग सुबह-सुबह सरोवरों या नदियों में स्नान करके गुरुद्वारों और मंदिरों में जाते हैं। जगह-जगह लंगर और मेले लगते हैं। इसी दिन गेहूँ की कटाई भी शुरू होती है।
3. (क) अप्रैल, मार्च

   (ख) पच्चड़ी

   (ग) भारत

   (घ) नृत्य-संगीत

   (ङ) पोयला बैसाख

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. प्रचंडता

   विशेषता

   भिन्नता

   प्रमुखता

2.	चलवाना	मिलवाना
	मनवाना	रुकवाना
	कहलवाना	बुलवाना
		सुनवाना
3.	पत्ते	ऋतुएँ
	मेले	कामनाएँ
	कपड़े	परंपराएँ
	हिस्से	विविधताएँ

सोचिए और बताइए Think & Tell
विद्यार्थियों से इनके विषय में बातचीत करें। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
निर्देशानुसार सभी कार्य विद्यार्थियों से करवाएँ तथा उनका मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values
विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) समवत्सर युगादी (ख) नीम और गुड़ (ग) गुड़ी पड़वा (घ) 14 अप्रैल को
2. (क) उगादी के अवसर पर 'पच्चड़ी' और 'वेवु-बेल्ला' बनाया जाता है।
   (ख) मलयालम महीने 'मेदम' की पहली तिथि को 'विशु' नामक त्योहार मनाया जाता है।
   (ग) पोयला बैसाख हर वर्ष बैसाख मास की प्रतिपदा को बंगाल में मनाया जाता है।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. हर्षोल्लास, आभूषण, चिह्न, आकृति, शुभारंभ।
4. 'बिहू' का त्योहार असम में मनाते हैं। यह त्योहार तीन बार आता है, जो कि तीन ऋतुओं का प्रतीक है। लोग इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। प्रथम बिहू, जिसे 'बोहाग बिहू' या 'रंगोली बिहू' कहते हैं; अप्रैल या फिर यूँ कहें कि चैत्र या बैसाख माह में आता है। द्वितीय बिहू को 'काती बिहू' या 'कंगली बिहू' कहते हैं। यह कार्तिक मास

(अक्तूबर) में आता है। तृतीय बिहू को 'माघ बिहू' भी कहते हैं। यह मकर संक्रांति (14 जनवरी) को आता है। इस दिन खूब नृत्य-संगीत होता है।

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
6. सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 5 : चल अकेला, रे!

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• बाधाओं से न घबराना • सदा आगे बढ़ते रहना • लक्ष्य प्राप्ति तक सतत प्रयास करना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, कविता का सारांश लिखना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, शब्दों के अर्थ लिखना, शब्दों का वाक्यों में प्रयोग, तुकांत शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	आशय, सारांश, संदेश, चर्चा
रचनात्मक कार्य Art Integration	'एकला चलो रे' बांग्ला गीत सुनना
जीवन कौशल Life Skills	जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए सतत प्रयास करना
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

इस कविता में कठिन-से-कठिन परिस्थिति में भी सदैव आगे बढ़ने की प्रेरणा दी गई है। चाहे आपका कोई साथ दे या न दे, भले ही आपको अकेला ही क्यों न चलना पड़े, तब भी चलते चलें और जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए, रुके नहीं निरंतर आगे ही बढ़ते रहें! लक्ष्य की राह में यदि आप किसी को सहायता के लिए आवाज़ देते हैं और कोई भी आपकी आवाज़ पर या बुलाने पर नहीं आता है तो अपनी सहायता अपने आप करें और लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर आगे बढ़ते रहें! यदि बीच राह में सब आपको छोड़कर वापस लौट जाएँ, तब अंधेरी रात होने पर भी, मुसीबतों से भरा हुआ रास्ता होने पर भी रुके नहीं, निरंतर आगे ही बढ़ते रहें और लक्ष्य को प्राप्त करें। भले ही आँधी हो, तूफान हो, गहरी अंधेरी रात हो अर्थात् जीवन में कभी ऐसे फँस जाएँ कि क्या करें – क्या न करें, कोई रास्ता ना सूझे तब मन को एकाग्र करके मन रूपी मशाल को जलाकर यानि दृढ़ निश्चय करके अपना पथ स्वयं प्रकाशित करें और आगे बढ़ें, रुके नहीं, निरंतर आगे ही बढ़ते रहें।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. सबसे पहले विद्यार्थियों को कविता का सार समझाएँ, जोकि ऊपर दिया गया है। बताएँ कि हमें हर परिस्थिति में अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते ही जाना है, जब तक कि उसे प्राप्त नहीं कर लिया जाता। इस विषय में उनके विचार जानें और चर्चा करें। यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब विद्यार्थियों से इस विषय में उनके अनुभव जानें। पूछें, कि क्या कभी ऐसा हुआ है कि उन्होंने या उनके परिवार ने कोई कार्य शुरू किया और उसके पूरे होने में बहुत सारी रुकावटें आई हों और उन रुकावटों के रहते हुए भी वह कार्य पूरा हुआ हो। इस बातचीत में विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **कविता पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें कविता कंठस्थ हो जाएगी।
6. इस कविता से मिलते-जुलते भाव का एक गीत/कविता कक्षा में सुनाएँ और दोनों की तुलना करवाएँ।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।

8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **कठिन परिस्थितियाँ आ जाने पर क्या करना चाहिए?**
     ☐ वापस लौट जाना चाहिए ☐ निरंतर लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ना चाहिए
     ☐ वहीं रुक जाना चाहिए
9. श्यामपट्ट पर लिखकर **शब्दों के अर्थ** पहले मौखिक रूप से ही पूछ लें। उसके बाद अभ्यास-कार्य करवाएँ।
10. **गतिविधि-2** में दिए गए शब्दों का पहले मौखिक रूप से **वाक्य में प्रयोग** करवा लें। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में करने के लिए दें। **गतिविधि-3** में तुकांत शब्द मौखिक रूप से बुलवाएँ। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त अन्य उदाहरण भी दें।
11. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि इस कविता का मूल भाव क्या है?
12. **अभ्यास** के अंतर्गत मौखिक प्रश्नों को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का उच्चारण करेंगे।
2. (क) यह कविता प्रसिद्ध कवि रवींद्रनाथ ठाकुर ने लिखी है।
   (ख) इस कविता के माध्यम से कवि कहना चाहते हैं कि हमें जीवन में सदा आगे बढ़ते रहना चाहिए चाहे कोई हमारा साथ दे या न दे।

(ग) 'चल अकेला, रे' का अर्थ है मनुष्य को किसी और पर निर्भर न रहकर अकेले ही सदा आगे चलते रहना चाहिए।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ अकेले ही आगे बढ़ना चाहिए।

(ख) ☑ अकेले ही आगे बढ़ जाना चाहिए।

(ग) ☑ मन को मशाल बनाकर यानि दृढ़ निश्चय कर लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए।

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर इन शब्दों को लिखेंगे।
2. (क) इस पंक्ति में कवि कहना चाहते हैं कि किसी कार्य को करने के लिए यदि बुलाने पर भी कोई और हमारा साथ न दे, तो भी हमें अकेले ही आगे बढ़कर कार्य करना चाहिए।
   (ख) कवि कहना चाहते हैं कि किसी भी महान कार्य को करने के लिए मन में साहस चाहिए। यदि बाकी सब हमारा साथ न दें, डरकर हमसे मुँह मोड़ लें, तो भी हमें बिना डरे, साहस के साथ अपनी सही बात को बोलना चाहिए।
   (ग) कवि कहते हैं कि यदि हमारे चारों तरफ अज्ञान और अन्याय रूपी अंधकार हो और कोई हमारा साथ न दे, तब हमें अपने अंदर ज्ञान और सत्य रूपी मशाल जलानी चाहिए। उसी सत्य रूपी मशाल के सहारे हमें निडर होकर आगे अकेले बढ़ते जाना चाहिए।
3. इस कविता में कवि साधारण मनुष्य को डर और पराजय की भावना को त्यागकर निडर और साहसी होने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कवि कहते हैं कि जीवन में सत्य के मार्ग पर चाहे हमारा साथ कोई दे या न दे, हमें अकेले ही चलते रहना चाहिए।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

पथ – मार्ग	चरण – पैर	बटोही – यात्री
द्वार – दरवाज़ा	ध्वनि – आवाज़	बदरी – बादल

2. • हमें जीवन में **डर** का साहस से सामना करना चाहिए।
   • अज्ञान रूपी **रात** को ज्ञान रूपी प्रकाश से दूर करना चाहिए
   • मन में साहस हो तो मनुष्य अकेला ही सभी कार्य कर सकता है।
   • मुख मोड़ना – मुसीबत पड़ने पर हमें मुख मोड़ना नहीं चाहिए बल्कि उस मनुष्य की सहायता करनी चाहिए
3. ☒ मोड़
   ☒ खग

☒ अकेला

☒ डर

रचनात्मक कार्य Creative Work

निर्देशानुसार सभी कार्य विद्यार्थियों से करवाएँ तथा उनका मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) अकेले ही चलना चाहिए।
   (ख) खुलकर अपनी बात बोलनी चाहिए।
   (ग) आगे बढ़ते रहना चाहिए।
2. (क) यहाँ रात गहरी होने का अर्थ लक्ष्य के पथ में आने वाली दुर्गम कठिनाइयों से है। अत: रात गहरी होने पर अर्थात् मार्ग कठिन होने पर भी यात्री को रुकना नहीं चाहिए, अपितु अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते रहना चाहिए।
   (ख) 'रात में दिया जलने' का अर्थ - कठिनाई आने पर उसका सामना करने के लिए मिलने वाली सहायता से है। यदि कठिनाई आने पर कोई सहायता न मिले, तब भी हमें अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते रहना चाहिए।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. (क) क्रोध (ख) पत्थर (ग) डाकिया (घ) पर (ङ) आँधी
4. (1) अकेला (2) आवाज़ (3) काँटे (4) चल (5) डर
   (6) द्वार (7) बटोही (8) मशाल (9) मुसाफ़िर

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 6 : पृथ्वीराज चौहान

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• देश प्रेम • वीरता • निर्भयता • स्वाभिमान

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, किसने कहा-किससे कहा?
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, शुद्ध वर्तनी, एकवचन-बहुवचन
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, चरित्र-चित्रण, कारण, परिणाम
रचनात्मक कार्य Art Integration	पाठ की शिक्षा अपने शब्दों में लिखना, अनुच्छेद लेखन
जीवन मूल्य Values	देश के लिए स्वंस्व न्योछावर करने की भावना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह वीर पृथ्वीराज चौहान की कहानी है। पृथ्वीराज चौहान दिल्ली के राजा थे। वे बहुत वीर और निडर थे। देश को आज भी उनपर गर्व है। उनकी सेना इतनी शक्तिशाली थी कि किसी में भी उनके राज्य की ओर आँख उठाकर देखने की हिम्मत नहीं थी। उस समय भारत की धन-संपत्ति की चर्चा दूर-दूर तक फैली हुई थी। उस संपत्ति को लूटने के लिए

कई विदेशी शासकों ने भारत पर आक्रमण किए। उनमें से एक मोहम्मद गौरी था। उसने 1190 में भारत पर आक्रमण किया। उसका सामना पृथ्वीराज चौहान से हुआ। गौरी ने सात बार भारत पर आक्रमण किया जिसमें से छह बार पृथ्वीराज ने उसे हरा दिया और हर बार क्षमा करके छोड़ भी दिया, क्योंकि युद्ध में हारे हुए राजा को मारना भारत की परंपरा नहीं थी। लेकिन सातवीं बार पृथ्वीराज को अपने ही एक साथी जयचंद से मिले धोखे के कारण हार का सामना करना पड़ा। मोहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज और उसके मित्र कवि चंदबरदाई को बंदी बना लिया। गौरी ने पृथ्वीराज को बहुत कष्ट दिए। यहाँ तक कि उन्हें नेत्रहीन कर दिया। एक दिन गौरी को पता चला कि पृथ्वीराज बिना देखे, आवाज़ सुनकर ही शिकार को मार देते थे। उसने पृथ्वीराज को बंदीगृह में संदेश भिजवाया कि वह यह कमाल देखना चाहता है। पहले तो पृथ्वीराज ने साफ़ मना कर दिया पर चंदबरदाई ने कुछ समझाया तो वे मान गए। अगले दिन पृथ्वीराज और चंदबरदाई को गौरी के दरबार में लाया गया। चंदबरदाई गौरी से कहते हैं कि वे उसकी प्रशंसा में एक दोहा सुनाना चाहते हैं। यह सुनकर गौरी खुश होता है और कहता है – सुनाओ। चंदरबरदाई दोहे में गौरी के बैठने की स्थिति कि वह कहाँ और कितनी ऊँचाई पर बैठा है, पृथ्वीराज को बता देते हैं। दोहा पूरा होते ही गौरी घंटा बजाता है और पृथ्वीराज तीर छोड़ देते हैं। तीर सीधा गौरी की छाती में जाकर लगता है और वह वहीं मर जाता है। चंदबरदाई कहते हैं – "धन्य है ईश्वर! तूने हमारी लाज रख ली।"

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह कहानी दिल्ली के राजा पृथ्वीराज चौहान की वीरता पर आधारित है। हमारे देश में पृथ्वीराज चौहान के जैसे और भी बहुत-से वीर हुए हैं – महारणा प्रताप तथा वीर शिवाजी, आदि। उनके विषय में संक्षेप में बताएँ। फिर उनसे पूछें कि वे इनके विषय में क्या जानते हैं। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पढ़कर कहानी सुना दें। कहानी पढ़कर समझ आता है कि पृथ्वीराज चौहान बहुत ही निडर और स्वाभिमानी थे। उनके इन गुणों की तुलना अन्य वीर योद्धाओं से करें। उनके विषय में चर्चा करें। इसमें सभी विद्यार्थियों की भागेदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. विद्यार्थियों को कारगिल में शहीद हुए वीरों के बारे में जानकारी देकर उनमें देशप्रेम की भावना जागृत करें।

7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **पृथ्वीराज चौहान कहाँ के राजा थे?**
     ☐ **जयपुर के** ☐ **दिल्ली के** ☐ **आगरा के**
10. शुद्ध-अशुद्ध शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर पूछें। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त कुछ और उदाहरण भी दें। इसके बाद प्रश्न हल करवाएँ।
11. श्यामपट्ट पर **एकवचन और बहुवचन** की परिभाषा लिख कर समझाएँ। इसके बाद प्रश्न हल करने के लिए दें। अतिरिक्त उदाहरण भी दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि पृथ्वीराज चौहान ने हर बार जीतने के बाद भी गौरी को छोड़ दिया। क्या ऐसा करके उन्होंने सही किया? इसपर उनके विचार तर्क सहित जानें।
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें। साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का उच्चारण करेंगे।
2. (क) पृथ्वीराज चौहान बहुत वीर और निडर राजा थे।

(ख) पहली बार मोहम्मद गौरी की सेना इसलिए हार गई क्योंकि पृथ्वीराज चौहान और उनकी सेना बहुत वीर थी। उन्होंने गौरी को युद्ध में बुरी तरह हरा दिया।

(ग) पृथ्वीराज चौहान आँखें बंद करके केवल ध्वनि को सुनकर तीर से अचूक निशाना लगा सकते थे, इसलिए उनको 'शब्द-भेदी' कहा जाता था।

(घ) पृथ्वीराज और चंदबरदाई ने पृथ्वीराज की 'शब्द-भेदी' बाण चलाने की कला का प्रयोग करके गौरी को मारने की योजना बनाई।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ सन् 1190 में

(ख) ☑ दिल्ली के राजा

(ग) ☑ पृथ्वीराज के कवि मित्र

लिखित Writing

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों को लिखेंगे।

2. (क) मोहम्मद गौरी ने भारत की धन-संपत्ति के बारे में सुना था। उस संपत्ति को लूटने के लिए गौरी ने भारत पर आक्रमण किया।

   (ख) युद्ध में हारे हुए राजा को मार डालना भारत देश की परंपरा नहीं थी, इसलिए युद्ध में हराने के बाद भी पृथ्वीराज चौहान ने गौरी को पहली बार छोड़ दिया।

   (ग) जब गौरी युद्ध में जीता तब उसने पृथ्वीराज चौहान और उनके मित्र, कवि चंदबरदाई को बंदी बना लिया। उसने बंदीगृह में पृथ्वीराज को नेत्रहीन कर दिया।

   (घ) मोहम्मद गौरी पृथ्वीराज चौहान का 'शब्द-भेदी' करतब देखना चाहते थे। चंदबरदाई ने चालाकी से गौरी को इस बात के लिए मनाया कि वह ही घंटे को बजाए। इधर घंटा बजाने से पहले चंदबरदाई ने एक दोहा सुनाया जिसमें उसने गौरी के बैठने की स्थिति, ऊँचाई, आदि पृथ्वीराज को बता दी। गौरी के घंटा बजाते ही पृथ्वीराज ने तीर चलाया जो सीधे गौरी को जा लगा और उसकी मृत्यु हो गई।

3.

(क)	मोहम्मद गौरी ने	चंदबरदाई से
(ख)	सेनापति ने	पृथ्वीराज से
(ग)	पृथ्वीराज ने	सेनापति से
(घ)	चंदबरदाई ने	पृथ्वीराज से

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

(क)	☑	चौहान	(ङ)	☑	अंधे
(ख)	☑	राज्य	(च)	☑	मुँह
(ग)	☑	चर्चा	(छ)	☑	बंदी
(घ)	☑	भीषण	(ज)	☑	शब्द

2. रचना – रचनाएँ | निशान – निशान
प्रार्थना – प्रार्थनाएँ | आवाज़ – आवाज़ें

सोचिए और बताइए Think & Tell
इनके उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। विद्यार्थियों से बातें करें। उनके विचार जानें और उसके आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ तथा मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values
निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) दिल्ली (ख) मोहम्मद गौरी ने (ग) सात बार
2. (i) वे एक महान शासक थे। उनके राज्य में प्रजा बहुत सुखी थी। (प्रजा पालक एवं न्यायप्रिय)
   (ii) पृथ्वीराज चौहान और उनकी सेना इतनी शक्तिशाली थी कि किसी में भी उनके राज्य की ओर आँख उठाकर देखने की हिम्मत नहीं थी। (वीरता)
   (iii) पृथ्वीराज उसी समय उसे मार सकते थे। लेकिन युद्ध में हारे हुए राजा को मारना भारत की परंपरा न थी। पृथ्वीराज ने उस परंपरा को निभाया और गौरी को छोड़ दिया। (उदारता तथा परंपरा एवं नियमों का पालन करने वाला)
   (iv) किसी शिकार को बिना देखे केवल उसकी आवाज़ सुनकर मार गिराते थे। (कुशल धनुर्धर)
3. गौरी – कायर, क्रूर
   जयचंद – गद्दार
   पृथ्वीराज – बहादुर, उदार, महान शासक
   चंदबरदाई – कवि, स्वामिभक्त

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4.

तारीफ़	परिणाम
रचनाकार	कुशल
अनुमति	हमला

5.

चालाकी	उदारता
परेशानी	वीरता
बहादुरी	सफलता
माफ़ी	कुशलता

6. इन मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

7. सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 7 : ईदगाह

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• त्याग, वात्सल्य • सहानुभूति • मातृ प्रेम • दूसरे के प्रति संवेदना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान पूर्ति
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, एकवचन-बहुवचन, मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाना

चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	कारण, परिणाम, कार्य-कारण संबंध, वर्णन, चरित्र-चित्रण, कल्पना, अनुमान
रचनात्मक कार्य Art Integration	हामिद के स्थान पर होते तो क्या करते और क्यों यह बताना, चर्चा करना, तिथि को अंकों में लिखना, शब्दों में गिनती लिखना
जीवन मूल्य Values	बड़े-बूढ़ों के प्रति प्रेम एवं सहानुभूति की भावना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

रमज़ान के पूरे तीस रोज़ों के बाद ईद आई है। कितनी सुंदर सुबह है। गाँव में हर तरफ़ हलचल है। ईदगाह जाने की तैयारियाँ हो रही हैं। लड़के बहुत प्रसन्न हैं। बार-बार जेब में से अपने पैसे निकालकर गिन रहे हैं। इन पैसों से वे खिलौने और मिठाइयाँ खरीदेंगे। हामिद अपनी दादी अमीना के साथ रहता है। उसकी दादी बहुत उदास है क्योंकि ईद के दिन भी घर में खाने को कुछ नहीं है। हामिद अपनी दादी से अनुमति लेकर अपने दोस्तों के साथ ईदगाह जा रहा है। ईदगाह में सबने नमाज़ पढ़ी और उसके तुरंत बाद बच्चे मिठाइयों और खिलौनों की दुकानों की ओर दौड़ पड़े। हामिद दूर खड़ा हुआ सबको देख रहा है। उसके पास तीन ही पैसे हैं। उसके दोस्त मोहसिन ने मिट्टी का एक खिलौना खरीदा, नूरे ने मिट्टी का एक वकील और सिपाही लिया। हामिद उन खिलौनों को हाथ में लेना चाहता है, पर सोचता है कि ये तो मिट्टी के हैं, हाथ से गिरते ही टूट जाएँगे। हामिद ने कुछ भी नहीं खरीदा - न खिलौने और न मिठाई, बस सबकी ओर देख रहा है। तभी उसे लोहे का सामान बेचने वाली एक दुकान दिखाई दी। हामिद ने सोचा कि उसकी दादी के हाथ रोटियाँ सेंकते हुए जल जाते हैं। यह सोचकर वह अपनी दादी के लिए एक चिमटा खरीद लेता है। चिमटा देखकर सब उसका मज़ाक उड़ाते हैं, पर हामिद अपने उत्तरों से सबको चुप कर देता है और सब मान जाते हैं कि उसका चिमटा उन सबके खिलौनों से अच्छा है। सब एक-एक बार हामिद का चिमटा हाथ में लेकर देखते हैं और हामिद को अपने खिलौने देते हैं। इस तरह हामिद की उन खिलौनों को हाथ में लेकर देखने की इच्छा पूरी हो जाती है। उसके दोस्तों के मिट्टी के खिलौने घर पहुँचते ही टूट जाते हैं। हामिद घर पहुँच कर जब दादी को चिमटा दिखाता है तो पहले तो वे गुस्सा होती हैं पर जब हामिद कहता है कि – रोटियाँ बनाते समय तुम्हारे हाथ जल जाते हैं न, अब नहीं जलेंगे! तो उसकी दादी का गुस्सा प्यार में बदल जाता है और वे हामिद को प्यार से गले लगा लेती हैं।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह कहानी मातृ-पितृ भक्ति पर आधारित तो है ही, साथ ही इसमें वात्सल्य का भाव भी है। विद्यार्थियों को बताएँ कि किस प्रकार उनके माता-पिता दिन-रात मेहनत करके उनका पालन-पोषण करते हैं। अत: विद्यार्थियों को सदैव उनका आदर करना चाहिए और उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए। यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पढ़कर कहानी सुना दें। फिर पूछें कि वे अपने माता-पिता की सहायता कैसे करते हैं? क्या उन्होंने कभी अपने माता-पिता को कोई उपहार दिया है? यदि हाँ तो कब और क्या उपहार दिया। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. कहानी क्योंकि मातृ-पितृ भक्ति पर आधारित है अत: **श्रवण कुमार की कहानी** सुना दें। इस विषय पर यदि आपको कोई और कहानी याद है तो वह भी सुना सकते हैं और उसपर बातचीत कर सकते हैं।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **हामिद के दोस्तों ने किस चीज़ के बने हुए खिलौने खरीदे?**
     ☐ **मिट्टी के** ☐ **लोहे के** ☐ **लकड़ी के**
10. श्यामपट्ट पर **एकवचन** लिखकर उनके **बहुवचन** मौखिक रूप से पूछें। अन्य उदाहरण भी दें। इसके बाद पुस्तक में दिया वचन संबंधित अभ्यास-कार्य करवाएँ।
11. **गतिविधि-2** में दिए गए शब्दों का पहले मौखिक रूप से **वाक्यों में प्रयोग** करवा लें, इसके बाद कॉपी या पुस्तक में उनका वाक्य में प्रयोग करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि हामिद चिमटे के स्थान पर कोई खिलौना भी खरीद सकता था, पर उसने ऐसा नहीं किया। क्यों?

13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का उच्चारण करेंगे।
2. (क) ईद रमज़ान के तीस रोज़ों के बाद आई है।
   (ख) हामिद के पैरों में छाले इसलिए पड़ जाएँगे क्योंकि उसके पास जूते नहीं थे।
   (ग) नूरे ने मिट्टी का वकील और सिपाही खरीदा।
   (घ) हामिद ने अपने चिमटे को सबसे अच्छा बताने के लिए कहा कि बाकी सभी मिट्टी के खिलौने बाद में टूट जाएँगे परंतु उसका चिमटा कभी नहीं टूटेगा।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ ईद का (ख) ☑ तीन (ग) ☑ अपनी दादी के लिए
(घ) ☑ हामिद के

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर स्वयं उनको लिखेंगे।
2. (क) गाँव में चारों तरफ़ ईद के पर्व का उल्लास था। इसलिए गाँव में हलचल थी।
   (ख) हामिद की दादी अपनी गरीबी के कारण रो रही थी। वह दुखी थी कि ईद के दिन भी उसके घर में अन्न का दाना तक नहीं था।

(ग) हामिद ने चिमटा लेते समय अपनी दादी के बारे सोचा। उसने सोचा कि यदि वह चिमटा खरीदकर दादी को देगा तो वह कितनी खुश होंगी। उनकी उँगलियाँ भी फिर कभी नहीं जलेंगी।

(घ) चिमटा देखकर अमीना को इसलिए दुख हुआ क्योंकि उनके पोते हामिद ने अपने लिए कुछ नहीं खरीदा था बल्कि उन तीन पैसों से दादी के लिए एक चिमटा खरीदा था।

(ङ) अमीना ने अपने पोते, हामिद के अपने प्रति प्यार और स्नेह की भावना से अभिभूत होकर हामिद को गले लगा लिया।

3. (क) दादी
   (ख) खज़ाना
   (ग) ईदगाह
   (घ) गुलाब जामुन
   (ङ) शान से

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

रोटी	–	रोटियाँ	गेंद	–	गेंदें
मिठाई	–	मिठाइयाँ	पैसा	–	पैसे
तैयारी	–	तैयारियाँ	लड़का	–	लड़के

2. **हैरान** – दरवाज़ा खोलते हैं अपने मित्रों को सामने देखकर विपुल **हैरान** रह गया।
   रौनक – दिवाली के दिन पूरे शहर में बहुत **रौनक** होती है।
   अनगिनत – रात को आकाश में **अनगिनत** तारे टिमटिमाते हैं।
   चकनाचूर – महाभारत के युद्ध में दुर्योधन का घमंड **चकनाचूर** हो गया।

सोचिए और बताइए Think & Tell

इनके उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। विद्यार्थियों से बातें करें। उनके विचार जानें और उसके आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ तथा मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) पंद्रह
   (ख) अपनी दादी के साथ
   (ग) पिता
2. (क) पाठ में वर्णित ईद की सुबह बहुत सुंदर थी। पेड़ों पर अजीब-सी हरियाली थी। खेतों में रौनक थी। आसमान रोज़ से ज़्यादा चमकीला लग रहा था। सूरज ऐसा शीतल लग रहा था, मानो ईद की बधाई दे रहा हो। हर तरफ़ हलचल थी और सब ईदगाह जाने की तैयारियाँ कर रहे थे।
   (ख) अमीना हामिद के साथ इसलिए नहीं जा सकती क्योंकि उसे घर में सेवइयाँ बनाने का इंतजाम करना है।
   (ग) ईदगाह में इमली के पेड़ की घनी छाया है। नीचे पक्का फर्श है और उसपर दरियाँ बिछी हुई हैं। लाखों सिर एक साथ सजदे में झुकते हैं, फिर एक साथ खड़े हो जाते हैं। नमाज़ खत्म होते ही सब एक-दूसरे से गले मिलते हैं।
   (घ) ईदगाह के बाहर खिलौनों की, मिठाइयों की तथा लोहे के सामान आदि की दुकानें थीं।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. (क) काम आता न हो पर उसे न करने का कोई बहाना करना
   (ख) बहुत कम
   (ग) जहाँ कानून व्यवस्था न हो
   (घ) अवसर निकल जाने पर पछतावा करना
   (ड.) दोषी व्यक्ति स्वयं डरता है। (यहाँ लोकोक्तियों के अर्थ दे दिए गए हैं। उनका वाक्य में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।)
4. अंग्रेज़ी कहावतों का हिन्दी अनुवाद विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 8 : वायु प्रदूषण

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति संरक्षण • भ्रमण का महत्त्व • स्वास्थ्य के प्रति सचेतता • पर्यावरण के प्रति जागरूकता

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	गद्य पाठ
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, पुनरुक्त शब्दों से वाक्य बनाना, 'ई' प्रत्यय लगाकर शब्द लिखना
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	कारण, कार्य-कारण संबंध, परिणाम, समस्या समाधान, कल्पना
रचनात्मक कार्य Art Integration	गाड़ियों के ईंधन के बारे में पता करना, पोस्टर बनाना, स्लोगन लिखना, प्रदूषण को कम करने से संबंधित चर्चा
जीवन मूल्य Values	पर्यावरण के प्रति जागरूकता
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ प्रदूषण की समस्या पर आधारित है। कल्पना अपनी मम्मी के साथ भाई-दूज के अवसर पर दिल्ली जा रही है। वहाँ उसके मामा जी और उनका बेटा विक्रम एयरपोर्ट पर

उन्हें लेने आए। उस दिन उन्होंने आराम किया और अगले दिन वे टैक्सी से दिल्ली के प्रसिद्ध स्थान कनाट प्लेस के लिए निकल गए। दिन के बारह बज चुके थे पर फिर भी सब धुँधला-सा दिख रहा था। कल्पना ने जब पूछा कि ऐसा क्यों है तो विक्रम ने बताया कि सरदियाँ शुरू होते ही दिल्ली में प्रदूषण बढ़ जाता है, जिसके कारण ऐसा धुँधला-सा वातावरण बना रहता है। मामा जी ने बात को और स्पष्ट करते हुए बताया कि दिल्ली के आस-पास के क्षेत्रों में लोग पराली जलाते हैं, जिसका धुआँ प्रदूषण का मुख्य कारण बनता है। फसल की कटाई के बाद खेत को साफ़ करने के लिए कुछ किसान पराली जलाते हैं। पराली जलाने से बहुत बड़ी मात्रा में कार्बन-डाइऑक्साइड तथा कार्बन-मोनोऑक्साइड गैसें उत्पन्न होती हैं। इस धुएँ से आँखें और त्वचा प्रभावित होती है। साथ ही हृदय और सांस संबंधित समस्याएँ भी पैदा होती हैं। विक्रम ने बताया कि प्रदूषण की समस्या को दूर करने के लिए हमें अधिक-से-अधिक पेड़ लगाने चाहिए। अपने आस-पास सफ़ाई रखनी चाहिए। मामा जी बोले – निजी वाहनों का कम-से-कम प्रयोग करना चाहिए। विक्रम बोला– बगीचे की सूखी पत्तियों को जलाने की जगह उनसे खाद बना लेनी चाहिए। अंत में मम्मी बोलीं – ये सब वे उपाय हैं, जिन्हें अपनाकर हम वायु प्रदूषण कम कर सकते हैं। बातें करते-करते वे कनाट प्लेस पहुँच गए और टैक्सी से उतरकर घूमने चल दिए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ प्रदूषण की समस्या पर आधारित है। अत: विद्यार्थियों को प्रदूषण के सभी प्रकार और उनसे होने वाले स्वास्थ्य संबंधित नुकसान के बारे में बताएँ। यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पाठ पढ़कर सुना दें। फिर पूछें कि क्या वे भी प्रदूषण से संबंधित किसी समस्या का सामना करते हैं? क्या उन्होंने शहर और गाँव के वातावरण में अंतर अनुभव किया है? ऐसा क्यों होता है, यह भी पूछिए। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप पाठ पढ़ें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. प्रदूषण की रोकथाम के लिए क्या-क्या करना चाहिए, इस विषय पर बातचीत करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।

9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **खेतों को साफ़ करने के लिए कुछ किसान क्या जलाते हैं?**
     ☐ **कूड़ा** ☐ **पत्तियाँ** ☐ **पराली**
10. दिए गए पुनरुक्त शब्दों को पहले श्यामपट्ट पर लिखकर उनका मौखिक रूप से **वाक्य में प्रयोग** करवा लें। अन्य उदाहरण भी दें। इसके बाद पुस्तक में अथवा कॉपी में अभ्यास-कार्य करवाएँ।
11. **गतिविधि-2** में **'ई' प्रत्यय** से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं। इन्हें श्यामपट्ट पर समझाएँ। इन शब्दों के अलावा अन्य उदाहरण भी दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि यदि प्रदूषण की समस्या का निवारण नहीं किया गया तो क्या होगा ?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का उच्चारण करेंगे।
2. (क) कल्पना इसलिए प्रसन्न है क्योंकि उसको मम्मी ने बताया था कि वे भाई-दूज के अवसर पर मामा जी के घर दिल्ली जाएँगे।
   (ख) कल्पना ने विक्रम से पूछा, "भैया, दिन के बारह बज चुके हैं, पर सब इतना धुँधला-सा क्यों है!"

(ग) विक्रम ने बताया कि दिल्ली में सरदियाँ शुरू होते ही प्रदूषण बढ़ जाता है।
(घ) पूरा दिन धुँधला माहौल प्रदूषण के कारण बना रहता है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ पराली (ख) ☑ प्रदूषण की (ग) ☑ पेड़-पौधे
(घ) ☑ कपड़े के थैले की

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर स्वयं उनको लिखेंगे।
2. (क) कल्पना और उनकी मम्मी भाई-दूज के अवसर पर जा रहे हैं।
   (ख) अनेक किसान फ़सल की कटाई के बाद अपने खेत साफ़ करने के लिए पराली जलाते हैं। इससे अधिक मात्रा में 'कार्बन डाइआक्साइड' और 'कार्बन मोनोऑक्साइड' गैसें उत्पन्न होती हैं। जब ये गैसें धुँध के साथ मिलती हैं तो काले धुएँ का रूप लेती हैं, जिसे 'स्मॉग' कहते हैं।
   (ग) एक तैयार फ़सल की कटाई के बाद बचे हुए भाग को पराली कहते हैं। अगली फ़सल उगाने के लिए कुछ किसान उस पराली को जला देते हैं।
   (घ) शहरों में प्रदूषण के अनेक कारण हैं– पराली का जलना, वाहनों से निकलता धुआँ, पेड़-पौधों का काटना, गंदगी फैलाना, प्लास्टिक का प्रयोग करना, इत्यादि।
   (ङ) प्रदूषण को कम करने के तीन मुख्य उपाय हैं–
   - ज़्यादा से ज़्यादा पेड़-पौधे लगाना।
   - जितना हो सके, निजी वाहनों का प्रयोग कम करना और सार्वजनिक वाहनों का अधिक प्रयोग करना।
   - प्लास्टिक की थैलियों की जगह कपड़े की थैलियों का प्रयोग करना।
3. (क) पराली
   (ख) समस्याएँ
   (ग) शहरों
   (घ) सरकार
   (ङ) थैलियों
   (च) खाद

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. - झूठ **बार-बार** बोले जाने पर भी सच नहीं हो जाता।
   - महेश ने **बातों-बातों में** कितनी गंभीर बात कह दी।
   - **बोलते-बोलते** मुँह से गलत बात न निकल जाए।

- जीवन की समस्याएँ **हँसते-हँसते** सुलझानी चाहिए।
- **खुशी-खुशी** किया गया काम सफल होता है।

2. • सुख + ई = सुखी
   • अभिमान + ई = अभिमानी
   • खुश + ई = खुशी

सोचिए और बताइए Think & Tell
इनके उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। विद्यार्थियों से बातें करें। उनके विचार जानें और उसके आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ तथा मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values
निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) भाई-दूज के अवसर पर
   (ख) पराली जलाने से उत्पन्न हुआ धुआँ
   (ग) निजी वाहनों का
2. (क) सरदियाँ शुरू होते ही दिल्ली एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों में प्रदूषण की समस्या शुरू हो जाती है। वातावरण धुँधला बना रहता है तथा पराली जलाने से फैलने वाला धुआँ प्रदूषण का मुख्य कारण होता है।
   (ख) साइकिल का प्रयोग करने से प्रदूषण नहीं होता और स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।
   (ग) कपड़े के थैले का प्रयोग करके प्लास्टिक की थैलियों का प्रयोग कम किया जा सकता है।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3.

समस्या	–	समस्याएँ	सरदी	–	सरदियाँ
योजना	–	योजनाएँ	कहानी	–	कहानियाँ
विविधता	–	विविधताएँ	तैयारी	–	तैयारियाँ
शुभकामना	–	शुभकामनाएँ	मिठाई	–	मिठाइयाँ

4. दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. (क) ग्रहण दो प्रकार के होते हैं।
   (ख) जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच में आ जाता है, तब सूर्य ग्रहण होता है।
   (ग) जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच में आ जाती है, तब चंद्र ग्रहण होता है।
6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 9 : मेरा नया बचपन

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रेम • स्नेह • वात्सल्य • निश्छलता

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, आशय स्पष्ट करना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, विशेषण-विशेष्य
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	आशय, कारण, अनुमान, कल्पना, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	कविता को गद्य रूप में लिखना, लोरी सीखकर कक्षा में सुनाना, छोटे भाई-बहन के बचपन की यादें बताना, अनुच्छेद लेखन

जीवन मूल्य Values	छोटों के प्रति स्नेह की भावना
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

इस कविता में कवयित्री ने जीवन की सबसे प्रिय अवस्था 'बाल्यावस्था' का भावपूर्ण वर्णन किया है। कवयित्री को बार-बार अपने बचपन की याद आ रही है। उसे अनुभव हो रहा है कि बचपन के चले जाने से उसके जीवन की सबसे बड़ी खुशी भी चली गई है। उसे याद आ रहा है, बचपन का वह निडर होकर, स्वछंद होकर खेलना और खाना। और याद आ रहा है कि जब उन्हें ऊँच-नीच और छुआ-छूत का भेद नहीं पता था। वह जीवन कितना मस्ती से भरा हुआ था, आज भी वह इसे भुला नहीं पाई है। बचपन में कवयित्री जब भी कभी रोती या मचलती थी तो उसकी माँ सब काम-काज छोड़कर उसे चुप करवाने या मनाने आ जाती थी। कवयित्री अपने बचपन को याद कर ही रही थी कि उसकी बेटी वहाँ आ गई, जिसे देखकर वह प्रफुल्लित हो गई। उसके हाथ में मिट्टी थी जिसे हाथ बढ़ा कर वह कवयित्री को खिलाना चाहती थी। कवयित्री कह रही है कि अपनी बेटी के रूप में उन्होंने बचपन को फिर से पा लिया है।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. सबसे पहले विद्यार्थियों को कविता का सार समझाएँ, जोकि ऊपर दिया गया है। बताएँ कि बचपन जीवन का सर्वश्रेष्ठ समय होता है। विद्यार्थियों से पूछें कि जब वे छोटे थे - दो या तीन वर्ष के - क्या उस समय कि कोई बात उन्हें याद है? वे कैसे खेलते थे? क्या-क्या करते थे? उनके माता-पिता उन्हें कैसे खिलाते थे या प्यार करते थे? यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब विद्यार्थियों से पूछें कि क्या आपके घर में या पड़ोस में कोई छोटा बच्चा है? वह क्या-क्या करता है? उसकी कौन-सी बात आपको बहुत अच्छी लगती है? क्या आप उसके साथ खेलते है? जब आप उसके साथ खेलते हैं, तब आपको कैसा लगता है? इस विषय में उनके अनुभव जानें। इस बातचीत में विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।

4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **कविता पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें कविता कंठस्थ हो जाएगी।
6. इन कविता से मिलते-जुलते भाव का एक गीत/कविता कक्षा में सुनाएँ और दोनों की तुलना करवाएँ।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **कवयित्री की बेटी क्या खा रही थी?**
     ☐ **मिट्टी** ☐ **मिठाई** ☐ **रोटी**
9. **विलोम शब्दों** को श्यामपट्ट पर लिखकर पहले मौखिक रूप से ही पूछ लें। उसके बाद अभ्यास-कार्य करवाएँ।
10. **गतिविधि-2** में **पर्यायवाची शब्दों** की परिभाषा विद्यार्थियों को बताएँ। कुछ उदाहरण भी दें। दिए गए शब्दों के पर्यायवाची पहले मौखिक रूप से ही बता दें/पूछ लें। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में करने के लिए दें। इसी प्रकार **गतिविधि-3** में **विशेषण-विशेष्य शब्दों** की परिभाषा बता दें। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त, अन्य उदाहरण भी दें। उसके बाद प्रश्न हल करवाएँ।
11. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि इस कविता का मूल भाव क्या है?
12. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का उच्चारण करेंगे।
2. (क) कविता का नाम है– 'मेरा नया बचपन' और कवयित्री का नाम है– 'सुभद्रा कुमारी चौहान'।
   (ख) इस कविता के माध्यम से कवयित्री अपने बचपन को याद कर रही है।
   (ग) कवयित्री को अपना बचपन अपनी बेटी के बचपन में फिर से मिल गया।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ बचपन (ख) ☑ ऊँच-नीच का (ग) ☑ काम छोड़कर आ जाती थीं।
(घ) ☑ कवयित्री की बेटी

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर स्वयं उनको लिखेंगे।
2. (क) इस कविता में कवयित्री के बचपन की अनेक विशेषताएँ हैं जिनमें प्रमुख हैं– चिंता रहित होकर खेलना और खाना, निर्भय होकर स्वच्छंद होकर घूमना-फिरना, निर्मल मन जिसमें ऊँच-नीच का, छुआछूत का ज्ञान न हो।
   (ख) कवयित्री जब बचपन को बुला रही थी, तभी उनकी छोटी बेटी आ गई और उसने अपने नन्हें कोमल हाथों से माँ को मिट्टी खाने को कहा।
   (ग) कवयित्री ने अपना बचपन अपनी बेटी के रूप में पाया। अपनी बेटी को पाकर कवयित्री का जीवन प्रफुल्लित हो उठा और उनकी कुटिया नंदन वन-सी फूल उठी।
   (घ) इन पंक्तियों में कवयित्री कह रही हैं कि बड़े होने के बाद से वे मानो अपने बचपन को खो चुकी थीं। अपने बचपन की मधुर स्मृतियों को याद करके कुछ दुखी-सी हो जाती थीं परंतु उनकी बेटी के बचपन की निश्छल सरलता में उन्होंने अपने बचपन को फिर से पा लिया। जीवन के सामान्य संघर्षों में कवयित्री की बेटी के बचपन की निर्मलता ने उनको जैसे नवजीवन दे दिया।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

ऊँच	x	नीच	नया	x	पुराना	जीवन	x	मृत्यु
सुख	x	दुख	आनंद	x	निरानंद	हँसना	x	रोना
मधुर	x	कटु	बचपन	x	बुढ़ापा	सरलता	x	जटिलता

2. वन – जंगल, कानन
   बेटी – सुता, आत्मजा
   हृदय – हिय, उर
   निर्भय – निडर, बेखौफ़
   स्वच्छंद – आज़ाद, स्वतंत्र

3.

मस्त	खुशी
अतुलित	आनंद
मधुर	सरलता

सोचिए और बताइए Think & Tell

इनके उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। विद्यार्थियों से बातें करें। उनके विचार जानें और उसके आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ तथा मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) अपने बचपन की
   (ख) परिवार का पालन करना
   (ग) मिट्टी
2. कवयित्री ने बचपन के बारे में बताया है कि बचपन सभी को बहुत प्रिय होता है। बचपन का आनंद बहुत अतुलित होता है। किसी बात की चिंता नहीं होती। किसी बात का डर नहीं होता। छुआछूत का ज्ञान नहीं होता है। बस खेलना, खाना और हँसना होता है।
3. विद्यार्थी इस प्रश्न का उत्तर स्वयं लिखेंगे।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. (क) निर्भय (ख) अतुलनीय (ग) निष्कपट

5. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 10 : मुन्नार की सैर

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति प्रेम • प्रकृति वर्णन • ऐतिहासिक जगह की जानकारी

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	पत्र
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, क्रिया के प्रयोग, विशेषण एवं विशेष्य
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, चरित्र-चित्रण, अनुमान, कल्पना
रचनात्मक कार्य Art Integration	यात्रा वृत्तांत लिखना, पत्र-लेखन, यात्रा वृत्तांत सुनाना
जीवन कौशल Life Skills	भ्रमण के माध्यम से ज्ञान बढ़ाना

डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पत्र अर्जुन ने अपने पिता को मुन्नार से लिखा है। वह अपने विद्यालय की ओर से वहाँ भ्रमण के लिए आया हुआ है। इस पत्र में वह मुन्नार के बारे में बता रहा है। अर्जुन पत्र में बता रहा है कि मुन्नार समुद्र तल से सोलह सौ मीटर ऊपर स्थित बहुत सुंदर हिल स्टेशन है। ब्रिटिश काल में यह ब्रिटिश सरकार का ग्रीष्मकालीन रिसॉर्ट था। यहाँ विशाल चाय के बागान हैं। यहाँ 'नीलकुरिंजी' नामक एक फूल हर बारह वर्ष में एक बार खिलता है। और जब खिलता है तो पहाड़ियों को नीले रंग में रंग देता है। अर्जुन और उसके मित्र सबसे पहले 'एराविकुलम' राष्ट्रीय उद्यान' देखने गए। यह उद्यान लुप्तप्राय: 'नीलगिरी तहर' के लिए प्रसिद्ध है। यह अनेक दुर्लभ तितलियों और पशु-पक्षियों की अनेक प्रजातियों के लिए भी प्रसिद्ध है। इसके बाद वे दक्षिण भारत की सबसे ऊँची पर्वत चोटी 'अनामुडी' देखने गए, जो दो हज़ार सात सौ मीटर से भी अधिक ऊँची है। उसी दिन शाम को वे चिनाई बाँध और सुंदर झील देखने गए। अगले दिन वे केरल की पहली जल-विद्युत परियोजना 'पल्लीवसल' देखने गए। यहाँ पर्यटक प्राय: पिकनिक मनाने के लिए आते हैं। इसके बाद वे 'पावर हाउस वाटर फॉल' के नाम से प्रसिद्ध चिन्नाकनाल झरना देखने गए। फिर वे मुन्नार से बाईस किलोमीटर दूर हरा-भरा अनयिरंगल चाय बागान देखने गए। अर्जुन लिखता है कि वहाँ देखने लायक और भी कई स्थान हैं, जैसे, टॉप स्टेशन, चाय संग्रहालय आदि। अगले दो दिन वे ये सभी स्थान देखेंगे। दिल्ली लौटकर वह अपने पिता जी को इस अनुभव के बारे में बताएगा।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पत्र भ्रमण के विषय में है। अत: सबसे पहले भूमिका बनाते हुए भ्रमण का महत्त्व और उसके लाभ समझाएँ। विद्यार्थियों से उनके यात्रा अनुभव पूछें। आप भी अपने यात्रा अनुभव बताएँ। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पाठ पढ़कर सुना दें। पाठ में दक्षिण भारत स्थित मुन्नार के कई स्थानों और उनकी विशेषताओं के बारे में बताया गया है। विद्यार्थियों से पूछें कि वे उन स्थानों पर क्या कभी गए हैं? क्या वे ऐसे ही किसी अन्य स्थान के बारे में बता सकते हैं, जो भ्रमण के लिए प्रसिद्ध हो, पर पाठ में उसके बारे में न बताया गया हो।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।

4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप पाठ पढ़ें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. पुस्तकालय से प्रसिद्ध लेखकों के यात्रा-वृत्तान्त पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।
7. अब मौखिक प्रश्नों को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **कौन-सा फूल बारह साल में एक बार खिलता है?**
     ☐ **कमल** ☐ **गुलाब** ☐ **नीलकुरिंजी**
10. **क्रिया संबंधी प्रश्न** पहले मौखिक रूप से ही पूछ लें। दिए गए शब्दों के अतिरिक्त और भी उदाहरण दें। इसके बाद प्रश्न गृह कार्य अथवा कक्षा कार्य के लिए दें।
11. **संज्ञा शब्दों के लिए विशेषण संबंधी प्रश्न** भी पूर्व की भांति ही पहले मौखिक रूप से पूछ लें। अन्य उदाहरण भी दें। इसके बाद प्रश्न गृहकार्य अथवा कक्षाकार्य के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि भ्रमण के क्या-क्या लाभ होते हैं?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का उच्चारण करेंगे।
2. (क) यह पत्र मुन्नार की सैर के वर्णन के बारे में है।
   (ख) अर्जुन को मुन्नार जाकर बहुत अच्छा लगा।
   (ग) मुन्नार मुद्रापुझा, नल्लाथन्नी और कुंडला – इन तीन धाराओं के मिलन के रूप में दिखता है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ अपने पिता को (ख) ☑ 1600 मीटर
(ग) ☑ 12 वर्षों बाद (घ) ☑ चिन्नाकनाल झरने

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर स्वयं उनको लिखेंगे।
2. (क) मुन्नार के जंगलों और घास के मैदानों में पाया जाने वाला 'नीलकुरिंजी' एक अनोखा फूल है। इस फूल की विशेषता यह है कि यह हर बारह वर्षों में एक बार खिलता है। जब यह फूल खिलता है, तब संपूर्ण पहाड़ियाँ नीले रंग की हो जाती हैं।
   (ख) 'एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान' मुन्नार में स्थित है। यह उद्यान लुप्तप्रायः नीलगिरि तहर के लिए प्रसिद्ध है। नीलगिरि तहर बकरी की प्रजाति का एक पशु है। यह उद्यान अन्य कई दुर्लभ तितलियों और पशु-पक्षियों की प्रजातियों का भी घर है। यहाँ कोहरे से ढके चाय के बागानों का दृश्य अत्यंत मनमोहक होता है।
   (ग) मुन्नार में दक्षिण भारत की सबसे ऊँची चोटी 'अनामुडी' है। यह दो हज़ार सात सौ मीटर से भी अधिक ऊँची है।
   (घ) केरल की पहली जल विद्युत परियोजना 'पल्लीवसल' है।
   (ङ) मुन्नार के प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं–
   एलाविकुलम राष्ट्रीय उद्यान, अनामुडी चोटी, मट्टुपेट्टी, पल्लीवसल, चिन्नाकनाल, अनयिरंगल चाय बागान, टॉप स्टेशन, चाय संग्रहालय, मीसपुलिपाला।

3. (क) भ्रमण, (ख) नीलकुरिंजी, (ग) बकरी,
(घ) जल विद्युत (ङ) चिन्नाकनाल

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. (क) **लगा**।
(ख) **खिलता है**।
(ग) **गिरता है**।
(घ) **करता हूँ**।

2.

सुंदर	शहर	**सुरम्य**	झील
आदरणीय	पिता जी	**ऊँची**	चोटी
सुंदर हिल	स्टेशन	**राष्ट्रीय**	उद्यान
बहुत सुंदर	हिल स्टेशन	**दुर्लभ**	तितलियाँ

सोचिए और बताइए Think & Tell
इनके उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। विद्यार्थियों से बातें करें। उनके विचार जानें और उसके आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ तथा मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills
निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) भ्रमण के लिए
(ख) अनामुडी
(ग) जल-विद्युत परियोजना
2. (क) वे तीन पर्वत धाराएँ हैं – मुद्रपुझा, नाल्लाथन्नी और कुंडला।
(ख) यहाँ के विशाल चाय के बागान और घुमावदार गलियाँ इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बनाती हैं।
(ग) नीलगिरि तहर बकरी की प्रजाति का एक पशु है।

(घ) (i) मट्टुपेट्टी मुन्नार टाउन से 13 किलोमीटर दूर है।
(ii) यह समुद्र तल से सत्रह सौ मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।
(iii) यह चिनाई बाँध और सुंदर झील के लिए प्रसिद्ध है।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. सुलभ, निरादर, अनधिकार, दुख।

4. अनुमति, अविस्मरणीय, आदरणीय, दर्शनीय, पर्यटक, लोकप्रिय, समुद्र, सुरम्य।

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 11 : दोस्ती हो तो ऐसी!

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• मैत्री भाव • सहायता • सहानुभूति • संकट में मदद करना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, किसने कहा? किससे कहा?
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, संज्ञा, सर्वनाम, शब्दों का वाक्यों में प्रयोग
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	कारण, कार्य-कारण संबंध, परिणाम, समस्या समाधान

रचनात्मक कार्य Art Integration	मनपसंद खेल और खिलाड़ी पर लेख लिखना, चार्ट पेपर पर खिलाड़ियों के चित्र चिपकाना, चर्चा करना
जीवन मूल्य Values	मुसीबत में मदद करना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ मित्रता पर आधारित है। मित्रता जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण होती है। मित्र हर परिस्थिति में हमारा साथ देता है। अंकुर और कार्तिक एक ही कक्षा में पढ़ते थे। दोनों पक्के मित्र थे। दोनों ही बहुत अच्छा बैडमिंटन खेलते थे। एक बार किसी कारण से अंकुर के पिता जी की नौकरी छूट गई। इस कारण धीरे-धीरे उनकी आर्थिक स्थिति खराब होने लगी। पर अंकुर ने यह बात अपने मित्रों को नहीं बताई। कई महीने बीत गए। उन्हें कोई दूसरी नौकरी नहीं मिली। उन दिनों स्कूल में बैडमिंटन प्रतियोगिता होने वाली थी। हर साल अंकुर और उसके दोस्त इसमें भाग लेते थे और खूब प्रैक्टिस करते थे। पर इस बार तो अंकुर प्रैक्टिस के लिए भी नहीं आ रहा था। एक दिन स्कूल से लौटते समय कार्तिक ने इस बारे में अंकुर से पूछा तो उसने इस बात का तो कोई उत्तर नहीं दिया पर झिझकते हुए बोला कि इस बार वह बैडमिंटन प्रतियोगिता में भाग नहीं लेगा। अगले दिन वह खेलने नहीं आया और उसने स्कूल से भी छुट्टी ले ली। शाम को कार्तिक अंकुर के घर आया और उसे बाहर खेलने के लिए मनाने लगा। पहले तो अंकुर ने मना किया पर जब उसकी मम्मी ने भी जोर देकर कहा तो वह मान गया। खेलते समय कार्तिक ने देखा कि अंकुर का रैकेट टूटा हुआ है। वह समझ गया कि अंकुर प्रतियोगिता में भाग क्यों नहीं लेना चाहता है। अगले दिन कार्तिक ने अंकुर को अपना रैकेट देते हुए कहा कि अब वह इसी रैकेट से खेलेगा। दोनों खेलने आए और अंकुर ने मैच जीत लिया। वापस लौटते समय कार्तिक ने अंकुर से कहा कि मैंने तुम्हारा नाम बैडमिंटन प्रतियोगिता में लिखवा दिया है और फीस भी भर दी है। और तुम सारे मैच इसी रैकेट से खेलोगे। अंकुर समझ गया कि कार्तिक यह सब उसे प्रोत्साहित करने के लिए कह रहा है। उसने खूब अभ्यास किया और प्रतियोगिता जीत ली। अंकुर ने अपनी जीत का सारा श्रेय अपने मित्र कार्तिक को दिया। शाम को अंकुर के मित्र उसके घर आए। अंकुर के प्रतियोगिता जीतने पर सब बहुत खुश हैं। तभी अंकुर के पिता जी घर आकर बताते हैं कि उन्हें नई नौकरी मिल गई है। यह सुनकर सबकी खुशी दोगुनी हो जाती है।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह कहानी मित्रता पर आधारित तो है ही, साथ ही इसमें सहयोग की भावना भी है। विद्यार्थियों को बताएँ कि सच्चा मित्र सदैव अपने मित्र का साथ देता है। कभी संकट में उसे अकेला नहीं छोड़ता। मित्र केवल साथ खेलने के लिए ही नहीं होता, अपितु आवश्यकता पड़ने पर उसके साथ सहयोग भी करना चाहिए। यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पढ़कर कहानी सुना दें। फिर पूछें कि वे अपने मित्र की सहायता कैसे करते हैं? क्या उन्होंने कभी अपने मित्र की किसी भी रूप में सहायता की है? या किसी मित्र ने आपकी सहायता की है? यदि हाँ तो कब और कैसे? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. कहानी क्योंकि मित्रता पर आधारित है, अतः मित्रता से संबंधित कहानी 'भालू और दो मित्र' सुना दें, जिसमें एक मित्र अपने प्रिय मित्र को संकट में छोड़कर पेड़ पर चढ़ जाता है। इस कहानी में एक मित्र दूसरे मित्र का साथ नहीं देता, अपितु उसे संकट में अकेला छोड़ देता है। पूछें, क्या ऐसे लोगों से हमें मित्रता रखनी चाहिए? इस विषय पर यदि आपको कोई और कहानी याद है तो वह भी सुना सकते हैं और उसपर बातचीत कर सकते हैं।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **विद्यालय' में कौन-सी प्रतियोगिता होने वाली थी?**
     - ☐ **बैडमिंटन प्रतियोगिता** ☐ **टेबल टेनिस प्रतियोगिता**
     - ☐ **लॉन टेनिस प्रतियोगिता**
10. **संज्ञा और सर्वनाम** शब्दों पर गोले अलग-अलग रंग के पैन अथवा पेंसिल से लगाने के लिए कहें।
11. **गतिविधि-2** में दिए गए शब्दों का पहले **मौखिक रूप से वाक्यों में प्रयोग** करवा लें, इसके बाद कॉपी या पुस्तक में उनका वाक्य में प्रयोग करने के लिए दें।

12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्ध करने के लिए विद्‌यार्थियों से पूछें कि यदि कार्तिक अंकुर की मदद नहीं करता तो क्या होता?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्‌यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्‌यार्थी स्वयं इन शब्दों का उच्चारण करेंगे।
2. (क) अंकुर और कार्तिक बैडमिंटन के खेल में अच्छे थे।
   (ख) अंकुर के घर की आर्थिक स्थिति इसलिए खराब होने लगी क्योंकि किसी कारण से अंकुर के पिता की नौकरी छूट गई थी।
   (ग) बैडमिंटन-प्रतियोगिता आने वाली थी।
   (घ) वह प्रतियोगिता अंकुर ने जीती।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ अंकुर की (ख) ☑ पिता जी की नौकरी छूट जाने के कारण
(ग) ☑ कार्तिक (घ) ☑ कार्तिक के रैकेट से

लिखित Writing

1. विद्‌यार्थी शब्दों को सुनकर स्वयं उनको लिखेंगे।
2. (क) अंकुर ने यह इसलिए कहा कि वह इस बार बैडमिंटन प्रतियोगिता में भाग नहीं लेगा क्योंकि उसका रैकेट टूट गया था। अपने घर की आर्थिक स्थिति

खराब होने के कारण वह अपने लिए नया रैकेट नहीं खरीद सकता था। उसके पास प्रतियोगिता की फीस भरने के लिए भी पैसे नहीं थे।

(ख) कार्तिक ने अंकुर को अपना बैडमिंटन रैकेट देते हुए कहा, "आज तुम इससे खेलो और मुझसे मैच जीतकर दिखाओ।"

(ग) अंकुर ने अपनी जीत का सारा श्रेय अपने दोस्त कार्तिक को दिया। उसने सबको बताया कि कार्तिक ने उसे मैच खेलने के लिए खूब प्रोत्साहित किया और किस प्रकार उसकी सहायता भी की।

(घ) सब नाचने-गाने इसलिए लगे क्योंकि पहले वे बैडमिंटन मैच जीतने की खुशी तो मना ही रहे थे, फिर बाद में उनको दूसरी खुशखबरी मिली कि अंकुर के पिता को एक नई नौकरी मिल गई थी।

3. (क) कार्तिक ने अंकुर से
   (ख) कार्तिक ने अंकुर से
   (ग) अंकुर ने कार्तिक से
   (घ) अंकुर की माँ ने कार्तिक से

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. कार्तिक, अंकुर, मैंने, तुम्हारा, नाम, बैडमिंटन, प्रतियोगिता, तुम्हारी, फीस, तुम, मैच, रैकेट, तुम, स्कूल

2. • कार्तिक और अंकुर **पक्के** मित्र थे।
   • सच्चा मित्र अपने मित्र की **मुश्किल** में सहायता करता है।
   • आज हमारे स्कूल में तैराकी **प्रतियोगिता** है।
   • मैंने स्कूल की वाद-विवाद प्रतियोगिता में **भाग लिया**।
   • अंकुर को कार्तिक ने मैच खेलने के लिए **प्रोत्साहित** किया।

सोचिए और बताइए Think & Tell

इनके उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। विद्यार्थियों से बातें करें। उनके विचार जानें और उसके आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ तथा मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values
निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) आर्थिक स्थिति खराब होने की
   (ख) अंकुर के पिता की
   (ग) अंकुर का
2. (क) (i) कार्तिक अंकुर का सच्चा मित्र था।
   (ii) उसने मित्रता निभाते हुए मुसीबत में अपने मित्र का साथ दिया।
   (iii) कार्तिक दयालु और सहयोगी स्वाभाव का था।
   (ख) (i) अंकुर कार्तिक का मित्र था।
   (ii) वह स्वाभिमानी था और इसलिए उसने किसी को भी अपनी समस्या नहीं बताई।
   (iii) वह अच्छा खिलाड़ी था।
   (ग) कार्तिक ने अंकुर का मनोबल गिरने नहीं दिया। उसने उससे बातें कीं और हर तरह से उसकी मदद की। उसने अंकुर को खेलने के लिए अपना रैकेट दिया ताकि वह प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए अभ्यास कर सके।
3. समझ, प्रोत्साहित, अभ्यास, प्रतियोगिता, ट्राफी, कार्तिक, जीत, श्रेय, दोस्त, सबको, प्रोत्साहित, सहायता।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. प्रतियोगिता, प्रोत्साहित, पक्के, स्थिति

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 12 : सब्ज़ी मंडी (संवाद)

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति प्रेम • स्वास्थ्य के प्रति सचेतता • सब्ज़ियों की जानकारी • सब्ज़ी बाज़ार में भाषा व्यवहार

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	संवादात्मक पाठ
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, शब्दों का वाक्यों में प्रयोग, क्रिया
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	कारण, वर्णन, कार्य-कारण संबंध, आशय बताना
रचनात्मक कार्य Art Integration	ऑनलाइन खरीदारी में बरती जाने वाली सावधानियाँ बताना, संवाद लेखन, अनुच्छेद लेखन
जीवन मूल्य Values	स्वास्थ्य के प्रति सचेतता
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ सब्ज़ी मंडी के बारे में है। वहाँ किस प्रकार का वातावरण होता है। इसमें सब्ज़ी बेचने और खरीदने से संबंधित बातचीत किस प्रकार होती है, यह बताया गया है। समीर अपने पिता जी के साथ सब्ज़ी मंडी आया है। वहाँ वह अपने पिता जी से पूछता है कि

हम सब्ज़ी मंडी से ही सब्ज़ी क्यों लेते हैं। सब्ज़ी बेचने वाले तो गली में भी आते हैं। इसपर पिता जी उसे बताते हैं कि सब्ज़ी मंडी में सब्ज़ी बेचने वाले 'थोक विक्रेता' होते हैं, जबकि गली में सब्ज़ी बेचने वाले 'खुदरा विक्रेता' होते हैं। थोक का मतलब होता है – एक साथ अधिक सामान बेचना। मंडियों में सब्ज़ी की मात्रा अधिक होती है। गली में जो सब्ज़ियाँ बेचने आते हैं, उनके पास कम सब्ज़ियाँ होती हैं, इसलिए उन्हें खुदरा विक्रेता कहते हैं। समीर को यह बात समझ में आ जाती है। फिर पिता जी कहते हैं कि हम पहले हरी सब्ज़ियाँ लेंगे। आलू-प्याज सबसे अंत में लेंगे। समीर के पूछने पर पिता जी ने बताया कि ऐसा इसलिए करेंगे, क्योंकि आलू और प्याज ज़्यादा मात्रा में खरीदने होते हैं। उनका वज़न भी ज़्यादा होता है। उन्हें उठाकर घूमना भी मुश्किल होता है। इसलिए ये दोनों सबसे अंत में लेंगे। समीर कच्चे आम दिखाता हुआ पिता जी से कहता है कि माँ ने कहा था, कच्चे आम लाने हैं। वे उसके पास जाते हैं और 180 रुपये धड़ी का भाव लगवा कर कच्चे आम खरीद लेते हैं। समीर के पूछने पर पिता जी बताते हैं कि 'धड़ी' का मतलब होता है – 'पाँच किलो'। इसके बाद वे टिंडा, तोरी, घीया और परवल खरीदते हैं। पिता जी समीर को बताते हैं कि हमें मौसम के अनुसार ही फल और सब्ज़ियाँ खानी चाहिए। फल हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं। ये हमें शक्ति प्रदान करते हैं। इसके बाद वे तरबूज़ और खरबूजा ले कर घर आ गए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह संवादात्मक पाठ सब्ज़ी मंडी एवं सब्ज़ियाँ खरीदने से संबंधित बातचीत पर आधारित है। विद्यार्थियों को बताएँ कि सब्ज़ियाँ किस प्रकार हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार फलों के विषय में भी बताएँ। उनसे पूछें कि उनकी मनपसंद सब्ज़ी और मनपसंद फल कौन-सा है? यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पाठ** पढ़कर सुना दें। फिर पूछें कि क्या वे कभी सब्ज़ी मंडी गए हैं? वहाँ वे अकेले गए थे या किसी के साथ? उन्हें अपने अनुभव बताने के लिए कहें। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. पाठ क्योंकि सब्ज़ी मंडी पर आधारित है, अत: विद्यार्थियों से सब्ज़ी मंडी में कुछ खरीदने या बेचने से संबंधित कुछ संवाद बुलवा सकते हैं। किसी सब्ज़ी या फल पर

कुछ पंक्तियाँ भी बुलवाई जा सकती हैं। सब्ज़ियों और फलों पर बातचीत भी कर सकते हैं।

7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **समीर और उसके पिता जी ने कच्चे आम कितनी मात्र में खरीदे?**
     ☐ एक धड़ी ☐ चार किलो ☐ पाँच सौ ग्राम
10. **गतिविधि-1** में दिए गए शब्दों का पहले **मौखिक रूप** से वाक्यों में प्रयोग करवा लें, इसके बाद कॉपी या पुस्तक में उनका **वाक्य में प्रयोग** करने के लिए दें।
11. **गतिविधि-2** में विद्यार्थियों से कहें कि पहले वे पाठ में आए **क्रिया शब्दों** पर पेंसिल से गोला बना लें। उसके बाद कॉपी या पुस्तक में लिखें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि फलों और सब्ज़ियों से हमें क्या-क्या मिलता है।
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का उच्चारण करेंगे।

2. (क) समीर और उसके पिता सब्ज़ी मंडी से सब्ज़ियाँ खरीदने जा रहे थे।
   (ख) जो सब्ज़ीवाले गलियों में सब्ज़ी बेचते हैं, उनके दाम ज़्यादा इसलिए होते हैं क्योंकि गली में सब्ज़ी बेचने वाले के पास कम सब्ज़ियाँ होती हैं और वे गली-गली जाकर सब्ज़ी बेचते हैं।
   (ग) एक धड़ी का मतलब होता है– पाँच किलो।
   (घ) सरदी के मौसम की सब्ज़ियाँ हैं– पालक, मेथी, फूलगोभी, मटर, इत्यादि।
   (ङ) फलों से हमें खनिज और लवण प्राप्त होते हैं तथा फल हमारे शरीर को शक्ति प्रदान करते हैं इसलिए फल खाना हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ साइकिल से (ख) ☑ सब्ज़ी मंडी में

(ग) ☑ अधिक सामान बेचना (घ) ☑ कम सामान बेचना

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर स्वयं उनको लिखेंगे।
2. (क) समीर को हिंदी के प्रोजेक्ट कार्य में सब्ज़ी मंडी में होने वाले अपने अनुभव के बारे में लिखना है।
   (ख) मंडी में सब्ज़ी बेचनेवाले 'थोक विक्रेता' होते हैं जबकि गली में सब्ज़ी बेचनेवाले 'खुदरा' विक्रेता होते हैं। थोक विक्रेता एक साथ अधिक मात्रा में सामान बेचता है जबकि खुदरा विक्रेता के पास कम सब्ज़ियाँ होती हैं। इसलिए थोक विक्रेता सब्ज़ी मंडी में कम दामों में सब्ज़ियाँ बेचता है जबकि खुदरा विक्रेता गली-गली सब्ज़ी बेचने के कारण ज़्यादा दाम में बेचता है।
   (ग) आलू-प्याज़ को अंत में इसलिए खरीदने की बात की गई क्योंकि वे ज़्यादा मात्रा में खरीदे जाते हैं तथा उनका वज़न भी ज़्यादा होता है। इसलिए उनको लिए हुए घूमना मुश्किल होता है।
   (घ) समीर और उसके पिता ने तरबूज़ और खरबूज़ा लिया।
3. (क) सब्ज़ी मंडी (ख) अधिक (ग) ज़्यादा (घ) मौसम (ङ) पालक, मेथी

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. • हमें थोक **विक्रेता** से ही सब्ज़ियाँ खरीदनी चाहिए।
   • ताज़ी **सब्ज़ियाँ** हमारे शरीर को स्वस्थ बनाती हैं।
   • **एक धड़ी** का अर्थ होता है– पाँच किलो।
   • रूई दिखने में हल्की है पर भिगोने पर उसका **वज़न** बढ़ जाता है।
   • ज़रूरत से अधिक खाना हमारे **स्वास्थ्य** के लिए हानिकारक है।
   • हमें हमेशा **मौसमी** सब्ज़ियाँ तथा फल खाने चाहिए।

सोचिए और बताइए Think & Tell
इनके उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। विद्यार्थियों से बातें करें। उनके विचार जानें और उसके आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ तथा मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values
निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs
1. (क) सब्ज़ी मंडी
   (ख) गलियों में (सब्ज़ी बेचने वालों के पास)
   (ग) आलू-प्याज़
2. विद्यार्थी इस प्रश्न का उत्तर स्वयं लिखेंगे।
3. विद्यार्थी इस प्रश्न का उत्तर पुस्तक में से ढूँढ़कर स्वयं लिखेंगे।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar
4. (क) माँ ने कहा था कि मार्च के महीने में अच्छे आम नहीं मिलते।
   (ख) हमें मौसमी फल और सब्ज़ियाँ ही खानी चाहिए।
   (ग) मैं कल स्कूल जाकर अपने दोस्तों को बताऊँगा।
   (घ) कुछ सब्ज़ियाँ सरदी के मौसम में आती हैं और कुछ गरमी के मौसम में।

रचनात्मक कार्य Creative Work
5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 13 : महक की डायरी से

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• दया भाव • सर्वशिक्षा • भाई-बहन स्नेह • समाज की भलाई के लिए पहल

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	डायरी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, समानार्थी शब्द, पुल्लिंग-स्त्रीलिंग
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, कारण, कार्य-कारण संबंध, समस्या समाधान
रचनात्मक कार्य Art Integration	डायरी लेखन, चर्चा, बाल सभा, पोस्टर बनाना, स्लोगन बनाना, सर्वशिक्षा के लिए प्रेरणा
जीवन मूल्य Values	सर्व शिक्षा की पहल
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ डायरी लेखन पर आधारित है। इसमें महक अपने भाई के जन्मदिन के अवसर पर घटित होने वाली और घटित हो चुकी घटनाओं को लिख रही है। वह 28 अप्रैल, 2023 को लिखती है कि कल उसके भाई रजत का जन्मदिन है। इस अवसर पर वह उनके लिए

एक कार्ड बनाएगी। उसके भाई को कविता और कहानियाँ लिखने का शौक है। इसलिए वह अपनी जेबखर्च से कुछ पैसे बचाकर उनको जन्मदिन के उपहार के रूप में एक पैन देगी। अगले दिन 29 अप्रैल, 2023 को वह लिखती है कि सुबह से ही घर में चहल-पहल थी। जब वह सोकर उठी तब तक मम्मी-पापा और दादी ढेर सारा खाना बना चुके थे। उसके भाई ने बड़ों के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया। सबने उन्हें उपहार दिए पर महक का उपहार उन्हें सबसे अच्छा लगा। इसके बाद वे मंदिर गए। वहाँ सबने रजत भैया की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। फिर वे पास की बस्ती से कुछ गरीब बच्चों को अपने घर ले आए और उन्हें खाना खिलाया। बस्ती के और लोग भी वहाँ आ गए। बातचीत में पता लगा कि वे बच्चे स्कूल नहीं जा पाते, क्योंकि बस्ती के आस-पास कोई स्कूल नहीं है। यह सुनकर महक के भाई को बहुत दुख हुआ। वे बोले कि कल से रोज़ शाम को पाँच से छह बजे तक बस्ती जाकर वे इन बच्चों को पढ़ाएँगे। यह सुनकर सब बहुत खुश हुए। महक के पापा ने कहा कि वे इन बच्चों को स्लेट, कॉपी, पेंसिल और किताबें लाकर देंगे। महक को अपने भाई पर बहुत गर्व हुआ। उसने मन-ही-मन निश्चय किया कि जब वह बड़ी हो जाएगी तब वह भी ऐसे गरीब बच्चों को पढ़ाने में अपने भाई की मदद करेगी।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ डायरी लेखन पर आधारित है। अत: विद्यार्थियों से पूछें कि क्या वे भी डायरी लिखते हैं? अथवा क्या उनके घर में कोई डायरी लिखता है? यदि हाँ, तो कहें कि उनसे पूछें, वे डायरी में किस विषय पर लिखते हैं? क्या केवल अपनी दिनचर्या की बातें लिखते हैं या भारत अथवा संसार में घटित होने वाली घटनाओं को भी लिखते हैं? यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पाठ पढ़कर सुना दें। फिर बताएँ, डायरी लेखन भी एक कला है, साथ ही इसके लाभ भी बताएँ कि इससे स्मरण-शक्ति तो बढ़ती ही है, साथ ही लिखने वाला लेखन कला में भी प्रवीण हो जाता है। पूछें, क्या सच में ऐसा होता होगा? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।

6. **डायरी-लेखन** में क्या-क्या लिखा जाता है? डायरी किस प्रकार लिखी जाती है? किन बातों का ध्यान रखा जाता है? इन सब विषयों पर बातचीत करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **बस्ती के गरीब बच्चे स्कूल क्यों नहीं जा पाते थे?**
     - ☐ **क्योंकि वे पढ़ना नहीं चाहते थे।**
     - ☐ **क्योंकि उनके पास कॉपी और पुस्तकें नहीं थीं।**
     - ☐ **क्योंकि बस्ती के पास कोई स्कूल नहीं था।**
10. दिए गए शब्दों के **समानार्थी शब्द** श्यामपट्ट पर लिखकर **मौखिक रूप** से पूछ लें। कुछ अन्य उदाहरण भी दें। इसके बाद पुस्तक में अथवा कॉपी में अभ्यास-कार्य करवाएँ।
11. **गतिविधि-2** में दिए **लिंग संबंधी प्रश्न** भी पूर्व की भांति पहले श्यामपट्ट पर लिखकर मौखिक रूप से पूछ लें, इसके बाद पुस्तक में अथवा कॉपी में अभ्यास-कार्य करवाएँ। इन शब्दों के अलावा अन्य उदाहरण भी दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि महक को अपने भाई की किस बात पर गर्व हो रहा था और क्यों?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का उच्चारण करेंगे।
2. (क) 29 अप्रैल को महक के भैया रजत का जन्मदिन था।
   (ख) महक ने भैया को उपहार में एक पेन दिया।
   (ग) भैया को महक का दिया हुआ उपहार ही सबसे ज़्यादा अच्छा लगा।
   (घ) महक ने मन-ही-मन यह निश्चय किया कि बड़े होकर वह भी रजत भैया के साथ गरीब बच्चों को पढ़ाने में मदद करेगी।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ कार्ड (ख) ☑ लिखने का (ग) ☑ पास की बस्ती में (घ) ☑ भोजन

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर स्वयं उनको लिखेंगे।
2. (क) भैया को जन्मदिन पर अनेक उपहार मिले– मम्मी से नीले रंग की कमीज़, पापा से हेडफोन दादी जी से कुछ पैसे तथा महक की ओर से एक कार्ड और एक पेन।
   (ख) महक ने भैया को उपहार में पेन ही इसलिए दिया क्योंकि उसके भैया को लिखने का बहुत शौक था।
   (ग) भैया बस्ती के बच्चों को रोज़ शाम को पाँच से छह बजे तक पढ़ाएँगे।
   (घ) पापा बच्चों के लिए स्लेट, कॉपी, पेंसिल और किताबें लाकर देंगे।
   (ङ) महक को अपने भैया की दूसरों के प्रति संवेदना और परोपकार की भावना देखकर गर्व हो रहा था। वह यह सोचकर गर्व महसूस कर रही थी कि उसके भैया दूसरों के बारे में कितना सोचते हैं तथा उनकी मदद करने की कोशिश करते हैं।
3. (क) पेन
   (ख) आशीर्वाद
   (ग) घर
   (घ) स्कूल
   (ङ) मदद

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

भाई	=	भ्राता	सवेरा	=	प्रातः
मज़ा	=	आनंद	भोजन	=	खाना
खुश	=	प्रसन्न	फ़ैसला	=	निर्णय
चाव	=	शौक	सहायता	=	मदद
प्रयास	=	कोशिश			

2.

भाई	–	बहन	मम्मी	–	पापा
दादा	–	दादी	बालक	–	बालिका
अध्यापक	–	अध्यापिका	नायक	–	नायिका

सोचिए और बताइए Think & Tell

इनके उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। विद्यार्थियों से बातें करें। उनके विचार जानें और उसके आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ तथा मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) 28-29 अप्रैल को।
   (ख) अपने भाई के जन्मदिन के बारे में।
   (ग) भैया के जन्मदिन के कारण।
2. (क) महक के भाई को उपहार में एक नीले रंग की कमीज़, एक हेडफोन, कुछ पैसे, हाथ का बनाया हुआ कार्ड और एक पेन मिला।
   (ख) सबने मंदिर जाकर पूजा की और महक के भाई की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।
   (ग) बस्ती में कुछ गरीब बच्चे खेल रहे थे। उन्हें वे अपने घर ले आए और खाना खिलाया।
3. बातचीत, स्कूल, आस-पास, दुख, शाम, बस्ती।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 14 : कर्मवीर

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• परिश्रम • आलस त्यागना • कर्मठ बनना • सहनशीलता

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, कविता की अगली पंक्ति लिखना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, समानार्थी शब्द, शब्दों का वाक्यों में प्रयोग
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, चरित्र-चित्रण, परिणाम, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	कक्षा में 'कर्मवीर' कविता सुनाना, कहानी लेखन, चार्ट पेपर पर कविता का भाव लिखना
जीवन कौशल Life Skills	हर बाधा को पार करके लक्ष्य प्राप्ति की ओर सतत प्रयास करना
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

इस कविता में उन लोगों की बात कही गई है, जो हर हाल में अपने लक्ष्य को पाकर ही रहते हैं। ऐसे लोग किसी भी प्रकार की विघ्न या बाधा से कभी भी घबराते नहीं हैं और निरंतर अपने लक्ष्य के लिए प्रयास करते रहते हैं। कठिन-से-कठिन काम भी वे पूरा करके ही दम लेते हैं। रुकावट या कठिनाई आने पर उस काम से ऊबते नहीं हैं। ऊँचे दुर्गम पहाड़, अँधेरे और घने जंगल, आँधी-तूफ़ान, समुद्र की ऊँची लहरें और भयंकर अग्नि का सामना करके भी वे असफल नहीं होते हैं, क्योंकि वे सदैव अपने कर्त्तव्य पथ पर चलते हुए लक्ष्य प्राप्त होने से पहले रुकते ही नहीं हैं। वे जो भी काम लेते हैं, उसे यूँ ही बीच में छोड़ते नहीं हैं, पूरा करके ही रहते हैं। वे कल्पना की दुनिया में नहीं रहते, बल्कि वास्तविकता का सामना करके अपने कठिन परिश्रम से कार्बन को हीरे में बदल देते हैं। पर्वतों को काटकर सड़कें बनाना, मरुस्थल में नदियाँ बहाना तथा धरती के भीतर से जलराशि निकाल देने जैसे कार्य और जंगल में भी महामंगल ऐसे ही कर्मवीरों के द्वारा होता है। आज जितने भी विकसित देश हैं, वे सब ऐसे ही कर्मवीरों के कारण विकसित हुए हैं।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. सबसे पहले विद्यार्थियों को कविता का सार समझाएँ, जोकि ऊपर दिया गया है। बताएँ कि लगन के साथ कठिन परिश्रम करने वाले लोग अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करते हैं। ऐसे ही लोग जीवन में सफल होते हैं। इस बारे में विद्यार्थियों के विचार भी जानें। यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब विद्यार्थियों को 'कर्मवीर' शब्द का अर्थ समझाएँ। 'कर्मवीर' में वीरता के साथ-साथ परिश्रम भी जुड़ा हुआ है। कार्य में आने वाली कठिनाइयों और बाधाओं से न घबराना भी वीरता है। जो इस प्रकार अपने कार्य करते हैं, वे देश और समाज की उन्नति में सहायक होते हैं। इस प्रकार की प्रेरणादायक बातचीत करें। इस बातचीत में विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **कविता पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें कविता कंठस्थ हो जाएगी।
6. इन कविता से मिलते-जुलते भाव का एक गीत/कविता कक्षा में सुनाएँ और दोनों की तुलना करवाएँ।

7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें-**
   - **'कर्मवीर' की क्या पहचान है?**
     - ☐ **वह विघ्न और बाधाओं से नहीं घबराता।**
     - ☐ **जो काम सरलता से हो जाए, बस वही काम करता है।**
     - ☐ **कठिनाइयाँ आने पर काम छोड़ देता है।**
9. **गतिविधि-1** में काव्यांश का सही भाव और अनुतान के साथ वाचन करवाएँ। **गतिविधि-2** में **समानार्थी शब्दों** को श्यामपट्ट पर लिखकर पहले **मौखिक रूप** से ही पूछ लें। उसके बाद अभ्यास-कार्य करवाएँ।
10. **गतिविधि-3** में पूर्व की भाँति ही दिए गए शब्दों का पहले मौखिक रूप से ही **वाक्य प्रयोग** करवा लें। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में करने के लिए दें।
11. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि इस कविता का मूल भाव क्या है?
12. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से संबंधित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों का उच्चारण करेंगे।

2. (क) इस कविता के कवि का नाम है– अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'।
   (ख) इस कविता के माध्यम से कवि विघ्न बाधाओं से बिना डरे अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहने की प्रेरणा दे रहे हैं।
   (ग) इस काल में वे फल-फूले जिन्होंने विघ्न-बाधाओं को देखकर भी बिना घबराए मुसीबतों को भी सुअवसरों में बदल दिया है।
   (घ) इस कविता को पढ़कर मन में परिश्रमशील और उद्यमी बनने की भावना जाग्रत होती है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ मेहनत करने वाले (ख) ☑ कर्मवीरों के
(ग) ☑ दूसरों का मुँह नहीं ताकते
(घ) ☑ क्योंकि वे हर हाल में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करते रहते हैं।

लिखित Writing

1. विद्यार्थी शब्दों को सुनकर स्वयं उनको लिखेंगे।
2. (क) इस कविता में कवि ने कर्मवीरों की अनेक विशेषताएँ बताई हैं–कर्मवीर निडर होते हैं, वे विघ्न बाधाओं से घबराते नहीं हैं। कर्मवीर कर्मठ होते हैं। कर्मवीर भाग्य के तथा औरों के सहारे नहीं बैठे रहते बल्कि अपना मार्ग खुद सशक्त करते हैं। कर्मवीर समय का महत्त्व समझते हैं तथा किसी कार्य से जी नहीं चुराते।
   (ख) कर्मवीर निष्कपट रूप से सोचते हैं अर्थात् कर्मवीर जो मन में सोचते हैं, उसी को कर्म में परिणत करते हैं। आज जो सोचते हैं, उसको फिर कल पर नहीं छोड़ते, वह काम आज ही कर लेते हैं।
   (ग) अपनी मदद आप करने का अर्थ है कि मनुष्य वही सफल है जो मुसीबत आने पर औरों का या भाग्य का मुँह नहीं ताकते। कर्मवीर स्वयं पर भरोसा करके अपनी मदद स्वयं करते हैं और बिना रुके आगे बढ़ते ही जाते हैं। इस प्रकार अपनी मदद अपने आप करने से मनुष्य को लक्ष्य की प्राप्ति अवश्य होती है और ऐसे ही कर्मवीर जीवन में सफल होते हैं।
   (घ) यदि कार्य को आज-कल करके टालते जाएँ तो वह कार्य कभी संपूर्ण नहीं होगा। यदि एक कार्य अपने समय पर संपूर्ण न हुआ तो निश्चित रूप से अगला कार्य भी समय से पूरा नहीं होगा। इस प्रकार उस कार्य का कोई महत्त्व भी नहीं रहेगा। अतः हमें सभी कार्य समय पर ही पूरे करने चाहिए।
3. इन पंक्तियों में कवि कर्मवीरों के गुणों पर प्रकाश डाल रहे हैं। कवि कहते हैं कि काम कितना भी कठिन हो, कर्मठ व्यक्ति उस काम को करते हुए थकता नहीं।

कर्मवीर में धैर्य तथा वीरता जैसे गुण दिखाई देते हैं। इस प्रकार के लोग अपनी निडरता, कर्मठता से अपने बुरे समय को भी अच्छे समय में बदल देते हैं। ऐसे ही कर्मवीर हर परिस्थिति, हर जगह फलते-फूलते हैं।

4. • सोचते-कहते हैं जो कुछ, कर दिखाते हैं नहीं।
   • जो मदद करते हैं अपनी, इस जगत में आज ही।
   • कौन ऐसा काम है, वे कर जिसे सकते नहीं।।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
2.

पीड़ा	=	दुख	अंधकार	=	तम
बलवान	=	वीर	आकाश	=	व्योम
दिवस	=	दिन	सहायता	=	मदद

3. जंगल – जंगल में पशु-पक्षी स्वच्छंदता से विचरते हैं।
   पहाड़ – पहाड़ अपनी जगह अडिग रहता है।
   भाग्य – हमें अपना कोई काम भाग्य पर नहीं छोड़ना चाहिए।

सोचिए और बताइए Think & Tell
इनके उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। विद्यार्थियों से बातें करें। उनके विचार जानें और उसके आधार पर उनका मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ तथा मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills
निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) बाधाओं से
   (ख) कोशिश करने से
   (ग) समय
2. (क) तीसरे पदयांश में कवि कहना चाहते हैं कि कर्मवीर कभी भी समय व्यर्थ

नहीं गँवाते हैं। वे बातें नहीं बनाते, अपितु काम करते हैं। वे कोशिश करने से कभी भी जी नहीं चुराते हैं। हर काम उनके लिए संभव होता है। वे अपने कामों से औरों के लिए उदाहरण बन जाते हैं।

(ख) अंतिम पदयांश में कवि कह रहे हैं कि कर्मवीर कभी भी ऊँचे दुर्गम पहाड़ों से, अँधेरे से भरे हुए घने जंगलों से, सागर की ऊँची-ऊँची लहरों से और चारों दिशाओं में फैली हुई भयंकर अग्नि से भी नहीं घबराते। वे किसी भी परिस्थिति में असफल नहीं होते हैं।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

4. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।